वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 71 बुधवार 19 अगस्त 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

डिग्गी कल्याणजी की पदयात्रा के रंग में रंगा जयपुर

भजनों पर नाचते-गाते चले भक्त, जगह-जगह लगे भंडारे, शहर में कई जगह लगा जाम

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर की सड़कों पर मंगलवार को आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वर महादेव मंदिर से डिग्गी स्थित कल्याणजी के लिए 61वीं लक्खी पदयात्रा सुबह 9 बजे कल्याणधणी के जयकारों और बैंड-बाजे की मधुर धुनों के साथ पूरे विधि-विधान से रवाना हुई। यात्रा के रवाना होते ही मुख्य मार्ग श्रद्धालुओं के उत्साह और भक्तिमय माहौल से सराबोर हो उठे। पदयात्रा संघ के अध्यक्ष श्रीजी शर्मा ने बताया कि यात्रा की शुरूआत से पूर्व मुख्य केसरिया निशान ध्वज की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद मंच पर उपस्थित संत-महंतों, जनप्रतिनिधियों और जयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्यों ने ध्वज फहराकर पदयात्रा को गंतव्य के लिए रवाना किया। पदयात्रा के दौरान भगवान शिव-पार्वती और राधा-कृष्ण की मनमोहक सजीव झांकियां श्रद्धालुओं के मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। इस वर्ष मुख्य यात्रा में 600 से अधिक छोटी-बड़ी पदयात्राओं के साथ करीब 10 लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने का अनुमान जताया जा रहा है। 61 साल पहले महज 30-35 श्रद्धालुओं से शुरू हुई यह ऐतिहासिक पदयात्रा आज विशाल रूप ले चुकी है। यात्रा में शामिल होने के लिए सोमवार रात से ही गोविंद देवजी मंदिर सहित शहर के अन्य स्थानों पर श्रद्धालुओं का जमावड़ा शुरू हो गया था। चौड़ा रास्ता से सांगानेर तक के मार्ग में श्रद्धालुओं की सेवा के लिए 500 से अधिक भंडारे लगाए गए हैं। इन भंडारों में श्रद्धालुओं के लिए पूड़ी-सब्जी और समोसे के साथ-साथ डोसा, पावभाजी, छोले-भटूरे, बर्गर, आइसक्रीम आदि की व्यवस्था की गई।

रिश्ते 'अंकल-आंटी' में सिमट रहे हैं और जरूरत 'लालच' में बदल रही है, संभल जाओ : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

27 उपवास की तपस्या पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, शांतिजैन महिला मंडल की चौबीसी में 1500 से अधिक महिलाओं ने किया साध्वी सोम्याश्रीजी का तप अभिनंदन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

कभी मामा, मौसी, बुआ, चाची और मामी जैसे संबोधन रिश्तों में अलग-अलग मिठास घोलते थे। आज अनेक रिश्ते अंकल-आंटी में सिमटते जा रहे हैं। संबोधन केवल किसी को बुलाने का शब्द नहीं, बल्कि हमारे संस्कार और सामने वाले के प्रति मन में बसे भावों का परिचय है। दूसरी ओर, जीवन में जरूरत पूरी न हो तो लाचारी, सामने प्रलोभन आए तो लालच और कितना भी मिल जाए, फिर भी और चाहिए तो लोभ जन्म लेता है। रिश्तों में संस्कार और जीवन में संतोष बचाना जरूरी है। यह विचार श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने शांतिभवन में आयोजित विशाल धर्मसभा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। युवाचार्यश्री ने श्रेणिक कुमार के प्रसंग से संबोधन की महत्ता बताते हुए कहा कि रास्ते में आगे जा रहे व्यक्ति को श्रेणिक ने पीछे से मामाजी कहकर पुकारा। संबोधन सुनकर वह व्यक्ति रुक गया। पहले रिश्तों के प्रत्येक संबोधन में अपना अलग भाव और मिठास थी। मामा में अपनापन, मौसी में ममता, बुआ में स्नेह और चाची में अधिकार का भाव था। आज सभी रिश्ते अंकल-आंटी में सिमटते जा रहे हैं। संबोधन छोटा हुआ तो रिश्तों की वह अलग-अलग मिठास भी कहीं खोती चली गई। उन्होंने कहा कि बच्चों को बड़ों और भाई-बहनों को सम्मानपूर्ण संबोधन से पुकारना चाहिए। किसी को जिस भाव से पुकारोगे, धीरे-धीरे वही भाव तुम्हारे भीतर भी बनता जाएगा। इसलिए संबोधन को मामूली नहीं समझना चाहिए। युवाचार्यश्री ने लाचारी, लालच और लोभ का अंतर समझाते हुए कहा कि लाचारी परिस्थिति से आती है। जब जरूरत सामने हो और साधन उपलब्ध न हों तो व्यक्ति लाचार होता है। समाज में ऐसे अनेक परिवार हैं, जो बच्चों की फीस, पढ़ाई और घर की जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बाहर से व्यवस्थित दिखाई देने वाले हर परिवार की वास्तविक स्थिति वैसी ही हो, यह जरूरी नहीं। इसलिए जरूरतमंद की परिस्थिति को समझना और उसकी मदद करना समाज का दायित्व है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां साधर्मिक सेवा की परंपरा केवल देने तक सीमित नहीं रही, जरूरत को पहचानना भी उसका हिस्सा रहा है। साधु-संत गोचरी के लिए घरों में जाते थे तो केवल आहार नहीं देखते थे, बल्कि परिवार की परिस्थिति को भी समझते थे। जहां जरूरत दिखाई देती, वहां सहयोग की भावना जागती थी। सेवा ऐसी होनी चाहिए कि मदद पाने वाले की जरूरत पूरी हो जाए, लेकिन उसका स्वाभिमान आहत न हो। लालच तब आता है, जब जरूरत पूरी होने के बाद भी सामने आया प्रलोभन व्यक्ति को अपनी ओर खींच ले। प्रभावना का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि जरूरत नहीं है, फिर भी केवल इसलिए वस्तु ले लेना कि वह मुफ्त में मिल रही है, यही लालच है। लालच छोटी चीज से शुरू होता है और धीरे-धीरे विवेक पर कब्जा कर लेता है। उन्होंने कहा कि लाचारी में व्यक्ति कहता है, मेरे पास नहीं है। लालच कहता है, मुझे यह भी चाहिए। और लोभ कहता है, मेरे पास जितना है, उससे भी ज्यादा चाहिए। लाचारी में सहारे की जरूरत होती है, लालच में संयम की और लोभ में भीतर जागने की जरूरत होती है। भोजन की थाली का उदाहरण देते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि सामने पूरा भोजन रखा है, फिर भी व्यक्ति कहता है कि इसमें वह चीज होती तो मजा आ जाता। जो मिला है, उसका आनंद नहीं और जो नहीं मिला, उसकी शिकायत! यहीं से संतोष कम और लालच शुरू होता है। उन्होंने कहा कि लोभ की कोई सीमा नहीं होती। एक इच्छा पूरी होते ही दूसरी खड़ी हो जाती है। आदमी चीजें जोड़ता जाता है, लेकिन मन का खालीपन नहीं भरता। घर भरने से मन नहीं भरता, मन संतोष से भरता है। युवाचार्यश्री ने कहा कि परिस्थितियां प्रतिकूल हों तो भी व्यक्ति अपने पुरुषार्थ को कमजोर न होने दे। मेरे पास क्या नहीं है यह सोचकर बैठने के बजाय मेरे पास जो है, उससे मैं क्या कर सकता हूं यह सोचिए। कर्मवाद व्यक्ति को लाचारी से निकालकर पुरुषार्थ की ओर ले जाता है।

भारत विकास परिषद वैशाली शाखा ने लगाया एनीमिया जांच शिविर

103 बालिकाओं के हीमोग्लोबिन की हुई जांच, कम स्तर वाली छात्राओं को गुड़-चना के पैकेट वितरित

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारत विकास परिषद वैशाली शाखा की ओर से 18 अगस्त 2026 को महात्मा गांधी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नेहरू नगर, जयपुर में एनीमिया जांच शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत मां सरस्वती को पुष्पहार अर्पित कर तथा राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन के साथ हुई। विद्यालय की वरिष्ठ व्याख्याता देनम चतुर्वेदी ने भारत विकास परिषद के दायित्वधारियों का परिचय कराया। भारत विकास परिषद वैशाली शाखा के सचिव चैनाराम सेपट ने परिषद का संक्षिप्त परिचय देते हुए एनीमिया जांच शिविर के उद्देश्य एवं महत्व की जानकारी दी। शिविर में विद्यालय की 103 बालिकाओं के हीमोग्लोबिन की जांच की गई। जिन बालिकाओं में हीमोग्लोबिन का स्तर 9 से कम पाया गया, उन्हें गुड़-चना के पैकेट वितरित किए गए। शाखा सचिव चैनाराम सेपट ने उपस्थित छात्राओं को परिषद के आगामी कार्यक्रम ''अखिल भारतीय भारत को जानो'' के संबंध में भी जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर भारत विकास परिषद की ओर से शाखा अध्यक्ष गोवर्धन शर्मा, शाखा सचिव चैनाराम सेपट, महिला सहभागिता संयोजक प्रिया भारती अग्रवाल, प्रकल्प प्रमुख मीना सैनी तथा विद्यालय के स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया। **चैनाराम सेपट: सचिव, भारत विकास परिषद वैशाली शाखा**

तीये की बैठक

हमारे पूजनीय

श्री कुबेर प्रकाश जी खण्डाका

(सुपौत्र स्व. सरदारमल जी खण्डाका पुत्र स्व. पदम प्रकाश जी खण्डाका) का आकस्मिक निधन दिनांक 17.08.2026 को हो गया है। तीये की बैठक बुधवार दिनांक 19.08.2026 को दोपहर 1.00 से 2.00 बजे तक **अनुविभा केंद्र, आचार्य तुलसी मार्ग, मालवीय नगर, (गौरव टावर के सामने)**, जयपुर पर रखी गई है।

शोकाकुल:

श्रीमती जमना देवी (माताजी), श्रीमती अलका देवी (धर्मपत्नी),
नेमप्रकाश जी, देवप्रकाश जी, विजयप्रकाश जी (ताऊजी चाचाजी),
सुमेर, अशोक, दीपक, श्रीकुमार, संतकुमार, सतीश, जिनेश, राजेश (भ्राता),
अभिषेक-पारुल, ऋषभ-राधिका (पुत्र-पुत्रवधु), आवेश, अद्विका (पौत्र-पौत्री),
स्वाति-नवदीप जी खेमका (बहन-बेहेनोई), रामा बाई-स्व. दीनदयाल जी बम्बई वाले (बुआजी-फूफाजी), पियूष, सुयश, ध्रुव (भतीजे) कीर्ति-यश जी अग्रवाल,
आयुषी-शुभम जी केडिया (भतीजी-ज़वाई), उत्कर्ष (भांजा),
स्मृति-गोविन्द जी (भांजी-ज़वाई) एवं समस्त खण्डाका परिवार

ससुराल पक्ष: मदन मोहन जी, शिव कुमार जी, रामनिवास जी, रामधारी जी, दीपक जी, राघव, हार्दिक, ललित जी, अमित जी एवं समस्त चाचाण परिवार

स्नेहिल वनिता संघ ने मनाया 37वां स्थापना दिवस

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती महताब देवीजी ने मंगलाचरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया। समारोह में महिलाओं ने भजन प्रस्तुत किए तथा विभिन्न मनोरंजक खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्नेहिल वनिता संघ की ओर से संघ का 37वां स्थापना दिवस श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संघ की सभी सदस्याएं जयपुर से बस द्वारा चाकसू के निकट गोलोकधाम स्थित गौशाला पहुंचीं, जहां आचार्य प्रज्ञासागरजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सदस्यों ने वहां चातुर्मास कर रहे संघ के सभी महाराज एवं माताजी का भी आशीर्वाद लिया तथा स्नेहिल वनिता संघ के पोस्टर का विमोचन कराया। इसके बाद सभी सदस्याएं चाकसू स्थित आदिश्वर धाम पहुंचीं। यहां दर्शन-पूजन के बाद स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती महताब देवीजी ने मंगलाचरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया। समारोह में महिलाओं ने भजन प्रस्तुत किए तथा विभिन्न मनोरंजक खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाउजी खेली गई और महिलाओं ने सावन के झूलों का भी आनंद लिया। पूरे कार्यक्रम में महिलाओं में उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। समारोह के समापन पर संघ की अध्यक्षा श्रीमती लताजी, मंत्री मणि कोठ्यारी, उपाध्यक्ष नोरतन तथा कोषाध्यक्ष डॉ. शांति जैन 'मणि' ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

नि :शुल्क मिर्गी रोग शिविर में 103 रोगी हुए लाभान्वित

गुलाबपुरा. शाबाश इंडिया। श्री प्राज्ञ मिर्गी रोग निवारक समिति, गुलाबपुरा की ओर से माह के तृतीय मंगलवार को आयोजित नियमित निःशुल्क मिर्गी रोग शिविर मंगलवार, 18 अगस्त 2026 को संस्था परिसर में संपन्न हुआ। संस्था के मंत्री पदमचंद खटोड़ ने बताया कि शिविर में 19 नए मरीजों सहित कुल 103 रोगियों का परीक्षण एवं उपचार किया गया। सभी रोगियों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। उन्होंने बताया कि शिविर के लाभार्थी स्वर्गीय संतोष देवी, धर्मपत्नी स्वर्गीय गणेशलाल कोठारी की पुण्य स्मृति में भंवरलाल, ज्ञानचंद, महावीरप्रसाद एवं संपतराज कोठारी, विजयनगर रहे। वहीं, शिविर में आए मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए पूरे अगस्त माह की भोजन सेवा दुले सिंह, नरेंद्र कुमार, निर्मल कुमार एवं अनिल कुमार पगारिया, जोजवा की ओर से की जा रही है। इस सेवा से 210 से अधिक व्यक्तियों ने लाभ प्राप्त किया। शिविर में अनिल चौधरी ने मरीजों एवं उनके परिजनों को मिर्गी रोग के प्रति जागरूक करते हुए बचाव के उपाय तथा नियमित योगाभ्यास के महत्व की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने योगाभ्यास को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आग्रह किया। संस्था के मंत्री पदमचंद खटोड़ ने संस्था की गतिविधियों से अवगत कराया। अध्यक्ष घेवरचंद श्रीश्रीमाल ने स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा पारस बाबेल ने आभार व्यक्त किया। लाभार्थी परिवार की ओर से ज्ञानचंद कोठारी एवं गुंजन कांकरिया ने सभी मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की मंगलकामना की। लाभार्थी परिवार से देवकरण कोठारी, यश कांकरिया, सुनील कोठारी, रतन देवी कोठारी, लाड देवी कोठारी, मैना देवी कोठारी, निशा कोठारी एवं पूर्णा नाहर ने सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर संस्था के देवकरण कोठारी, मदनलाल लोढ़ा, मदनलाल रांका, राजेंद्र चौरड़िया, प्रेम पाडलेचा, सुशील चौधरी, दिनेश जोशी, दिलीप पाराशर, अनिल चौधरी, ज्ञान बाबेल, कमल कावड़िया, अनीता रांका, पूजा कोठारी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने सेवाएं प्रदान कीं। शिविर का संचालन अनिल चौधरी ने किया।

महावीर इंटरनेशनल एपेक्स का 31वां अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन चंडीगढ़ में

1 और 2 सितंबर नहीं, 19 और 20 दिसंबर को होगा द्विवार्षिक अधिवेशन

चंडीगढ़. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल एपेक्स का 31वां अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन इस बार 19 और 20 दिसंबर को चंडीगढ़ में आयोजित किया जाएगा। इसकी घोषणा महावीर इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय महासचिव सोहनलाल वैद्य ने एपेक्स स्तरीय वेबिनार में की। महावीर इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय निदेशक नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल अजीत कोठिया ने बताया कि दो दिवसीय इस द्विवार्षिक अधिवेशन की मेजबानी नॉर्थ जोन-2 द्वारा की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सीए अनिल जैन की अध्यक्षता में आयोजित वेबिनार में 78 वीर-वीरांगनाओं, निदेशकों, पदाधिकारियों, जोन चेयरमैन, जोन सचिवों, गवर्निंग काउंसिल सदस्यों तथा नॉर्थ जोन-2 के पदाधिकारियों ने भाग लिया। वेबिनार में अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सीए अनिल जैन ने 1 सितंबर से 30 सितंबर तक आयोजित होने वाले ''राष्ट्रीय वस्त्र सेवा अभियान-2026'' का शुभारंभ किया तथा पर्यावरण निदेशक रवींद्र जैन को अभियान का प्रभारी बनाया। महासचिव सोहनलाल वैद्य ने शिरडी में 27 सितंबर को आयोजित होने वाली गवर्निंग काउंसिल की बैठक में सभी 225 सदस्यों से अनिवार्य रूप से भाग लेने का आग्रह किया। वेबिनार को गौतम राठौड़, रतन फलौदिया, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सुधीर जैन, रवींद्र जैन चंडीगढ़, अनिल बांठिया, महेश मूंड, सुरेंद्र मारोठी, वंदना बक्षी, जितेश कुमार जैन, सुरेश गांधी सूरत, अशोक भंडारी, सुबोध राखेचा, कैलाश बाफना तथा राजलक्ष्मी भंडारी ने संबोधित किया। संचालन अंतरराष्ट्रीय महासचिव सोहनलाल वैद्य ने किया। आभार राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सुधीर जैन ने व्यक्त किया।

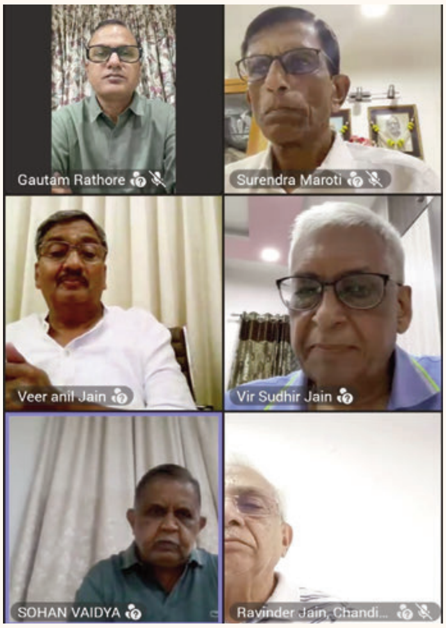

रिपोर्ट : अजीत कोठिया डडूका, बांसवाड़ा, राजस्थान

राजनीति

बड़वा की हवेलियां

सुभाष पंवार

दक्षिण-पश्चिम हरियाणा का बड़वा गांव अपनी हवेलियों, भित्तिचित्रों, तालाबों, कुओं और लोक-स्मृतियों के कारण एक जीवित विरासत-स्थल है। यह ग्रामीण स्थापत्य और लोककला की समृद्ध परंपरा का परिचायक है। इसकी दीवारें बीते समाज की दृश्य स्मृति, लोकजीवन भी संजोती हैं। सेठ परशुराम, सेठ हुकुमचंद, लाला सोहनलाल और सेठ लक्ष्मीचंद से जुड़ी हवेलियां विशेष महत्त्व रखती हैं। इनमें लाखौरी ईंट, चूना, लकड़ी, मजबूत दरवाजे, नक्काशीदार खिड़कियां, आंतरिक आँगन और छतरियां दिखाई देती हैं। ठाकुरों की गढ़ी, जिसे ब्रांसा भवन भी कहा जाता है, बड़वा की ऐतिहासिक पहचान का प्रमुख केंद्र है। स्थानीय परंपरा के अनुसार तंवर राजपूत वंश के ठाकुर बाग सिंह के पूर्वज लगभग छह शताब्दी पूर्व राजपुताना से यहां आए थे। वर्तमान गढ़ी का निर्माण स्थानीय विवरणों में 1938 के आसपास बताया जाता है। इन हवेलियों की सबसे बड़ी विशेषता भित्तिचित्र हैं। राधा-कृष्ण की रासलीला, विष्णु-लक्ष्मी, शेरावाली माता, राजा-रानी, घुड़सवार, हाथी, रथ, सैनिक और पशु-पक्षियों के दृश्य इनमें अंकित हैं। कहीं शेखावाटी शैली दिखाई देती है, तो कहीं राजस्थानी, कोटा, मुगल और नाथद्वारा परंपराओं का प्रभाव। यह मिश्रण सांस्कृतिक आदान-प्रदान की कहानी कहता है। सेठ परशुराम की हवेली की चित्रकारी विशेष उल्लेखनीय है। स्थानीय विवरणों के अनुसार इसे सजाने के लिए पिलानी से कारीगर बुलाए गए थे। धार्मिक आख्यानों के साथ राजा-रानी, रथयात्रा, संगीत और सामाजिक जीवन के दृश्य चित्रित हैं। हुकुमचंद-लाला सोहनलाल की हवेली के द्वार पर हाथी, राजा और रानी का चित्रण आकर्षण का केंद्र है। बड़वा की चित्रभाषा केवल धार्मिक विषयों तक सीमित नहीं है। रेलगाड़ी, डाकिया, सैनिक और अंग्रेजी दौर से जुड़े दृश्य भी यहाँ मिलते हैं। इससे पता चलता है कि स्थानीय कलाकार बदलती तकनीक और सामाजिक व्यवस्था को भी चित्रों में दर्ज कर रहे थे। भित्तिचित्र इस तरह परंपरा और आधुनिकता के संवाद का दस्तावेज बन जाते हैं। केसर तालाब भी बड़वा की सांस्कृतिक विरासत का महत्त्वपूर्ण केंद्र है। स्थानीय लोककथा इसे सेठ परशुराम की बहन केसर से जोड़ती है। यह तालाब भी सामुदायिक जीवन और लोक-स्मृति का हिस्सा बना।

संपादकीय

निरंतरता और परिवर्तन का संतुलन

भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व में अपनी नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान कर दिया है। 65 पदाधिकारियों वाली इस टीम में 51 नए चेहरे शामिल हैं। यह बदलाव 2029 के लोकसभा चुनाव और उससे पहले होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों का संकेत है। नई टीम में अनुभव और युवा ऊर्जा का संतुलन तौर पर दिखाई देता है। नितिन नबीन ने करीब सात महीने पहले पार्टी अध्यक्ष का पद संभाला था। उनकी नई टीम में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से हार के बाद संगठन में उनकी वापसी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पूर्व आरएसएस प्रचारक राम माधव को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। बीएल संतोष को संगठन महामंत्री के पद पर बरकरार रखा गया है। विनोद तावड़े और सुनील बंसल जैसे चुनावी रणनीतिकार भी महामंत्री पद पर बने हुए हैं। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत को भी अहम जिम्मेदारियां मिली हैं। महिलाओं और सामाजिक प्रतिनिधित्व पर भी जोर दिया गया है। नई टीम में 10 महिला नेताओं को जगह मिली है। हेमांग जोशी को भारतीय जनता युवा मोर्चा और रूपकुमारी चौधरी को महिला मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। सोशल मीडिया की जिम्मेदारी में भी बदलाव किया गया है। अमित मालवीय की जगह दीपक म्हस्के को लाया गया है। यह डिजिटल अभियान को नई दिशा देने का प्रयास है। पार्टी ने नई टीम में युवा और अनुभवी नेतृत्व के संतुलन पर जोर दिया है। 40 वर्ष से कम आयु के छह सदस्यों के साथ 40 से 49 वर्ष के 15 और 50 से 59 वर्ष के 21 सदस्य शामिल हैं। टीम में 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व है। छह अल्पसंख्यक नेताओं को भी स्थान दिया गया है। उत्तर प्रदेश को विशेष महत्व मिला है, क्योंकि राज्य में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनावी रणनीति में अनुभवी नेताओं को बनाए रखते हुए नए चेहरों को अवसर दिया गया है। स्मृति ईरानी और राम माधव की वापसी बताती है कि पार्टी अनुभवी नेताओं की उपयोगिता को महत्व दे रही है। पीयूष गोयल को कोषाध्यक्ष बनाना वित्तीय प्रबंधन और संगठनात्मक संसाधनों पर ध्यान का संकेत माना जा सकता है। हालांकि, चुनौतियां भी कम नहीं हैं। दक्षिणी राज्यों में अपेक्षाकृत सीमित प्रतिनिधित्व पार्टी की विस्तार रणनीति पर सवाल खड़े कर सकता है। कुछ पुराने चेहरों के बाहर होने से अनुभव और नई ऊर्जा के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। सोशल मीडिया में बदलाव के बाद डिजिटल रणनीति कितनी प्रभावी रहती है, यह आने वाले महीनों में स्पष्ट होगा। युवा मोर्चे में बदलाव का असर जमीनी स्तर पर दिखाई देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई टीम को बधाई दी है। अब इस टीम की असली परीक्षा चुनावी मैदान में होगी।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

तनाव की तपिश

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव अब सैन्य और कूटनीतिक मोर्चे से आगे बढ़कर होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी तीखा हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से होर्मुज को अमेरिकी प्रभाव में लाने संबंधी बयान के बाद तेहरान ने कड़ा जवाब दिया है। ईरान ने अमेरिका को होर्मुज की चिंता छोड़कर अपनी सुरक्षा पर ध्यान देने की सलाह दी है। दोनों देशों के बयानों से खाड़ी क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। तनाव के बीच ईरानी सेना के कमांडर-इन-चीफ अमीर हातमी का बयान भी सामने आया। रिपोर्टों के अनुसार, उन्होंने अमेरिकी सैनिक को मारने या पकड़ने वाले व्यक्ति के लिए 30 हजार डॉलर के इनाम की घोषणा की है। महिला द्वारा ऐसा करने पर इनाम दोगुना किए जाने की बात भी कही गई है। इस घोषणा ने दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद टकराव को और गंभीर बना दिया है। हातमी ने इसे जनता की मांगों से जुड़ी योजना बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य युद्ध प्रयासों के लिए आर्थिक सहयोग जुटाना है। उन्होंने अमेरिकी सैनिकों के खिलाफ इस्तेमाल किए गए हथियारों को उनकी कीमत से अधिक रकम देकर खरीदने और उन्हें संग्रहालय में सुरक्षित रखने की बात भी कही। ऐसे बयानों से स्पष्ट है कि तेहरान अमेरिकी विरोध को अपने समर्थकों के बीच और मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस पूरे विवाद में होर्मुज जलडमरूमध्य सबसे संवेदनशील मुद्दा बन चुका है। यह मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यहां जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से तेल, गैस और समुद्री परिवहन पर सीधा असर पड़ता है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, हाल में इस मार्ग से जहाजों की आवाजाही में भारी गिरावट दर्ज की गई। इससे वैश्विक व्यापार और ऊर्जा बाजारों में चिंता बढ़ी है। ट्रंप का तर्क है कि अमेरिका को इस रणनीतिक समुद्री मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। वहीं ईरान का कहना है कि होर्मुज क्षेत्रीय सुरक्षा और उसकी संप्रभुता से जुड़ा मामला है। तेहरान अमेरिकी सैन्य दबाव कम करने और प्रतिबंधों में राहत की मांग कर रहा है, जबकि वॉशिंगटन ईरान पर आर्थिक और राजनीतिक दबाव बनाए रखने के पक्ष में है। यही मतभेद किसी स्थायी समझौते की राह में सबसे बड़ी बाधा बने हुए हैं। इसी बीच ईरान ने कतर पर अपने तीन सैन्य पायलटों को हिरासत में रखने का आरोप लगाया है। ईरानी पक्ष के अनुसार, ये पायलट 2 मार्च को उस समय लापता हुए जब उनके विमान कतर की वायु रक्षा कार्रवाई की चपेट में आए। ईरान का दावा है कि पायलट विमान से बाहर निकलने के बाद जीवित थे और कतर के अधिकारियों ने उन्हें पकड़ लिया। तेहरान ने रेड क्रॉस से मामले की जांच की अपील की है। कतर ने इन आरोपों को खारिज करते हुए ईरान के दावे को भ्रामक बताया है। दोहा का कहना है कि मार्च में उसके हवाई क्षेत्र से जुड़े घटनाक्रम ईरान के दावे से अलग थे। इससे अमेरिका-ईरान तनाव के बीच खाड़ी देशों की भूमिका और सुरक्षा चिंताएं भी सामने आ रही हैं। इस संकट का असर खाड़ी देशों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। लंबे संघर्ष की आशंका से खाड़ी के शेयर बाजारों और निवेशकों में भी चिंता है। अमेरिका के कुछ सहयोगी देश भी लगातार बढ़ते सैन्य तनाव और क्षेत्रीय अस्थिरता को लेकर चिंतित हैं। जून में हुए समझौते से कुछ समय के लिए तनाव कम होने की उम्मीद बनी थी। इसका उद्देश्य संघर्ष रोकना, होर्मुज को फिर से खोलना और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत आगे बढ़ाना था। लेकिन निर्धारित 60 दिन की समयसीमा 17 अगस्त तक बिना किसी स्थायी समाधान के समाप्त हो गई। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर समझौते के उल्लंघन के आरोप लगा रहे हैं।

साधक को साधना में लीन रहना चाहिए, उसका लोक में प्रचार-प्रसार स्वयं ही हो जाता है : पट्टाचार्य विशुद्धसागरजी महाराज

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

ऋषभ विहार स्थित ऋषभोदय में विराजित दिगंबर जैन पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि साधक को साधना में लीन रहना चाहिए, उसका लोक में प्रचार-प्रसार स्वयं ही हो जाता है। जो साधना करेगा, उसका नाम अपने आप होगा। नाम चाहने से नाम नहीं होता, पुण्य के उदय से अपने आप यश फैलता है। पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज के परम भक्त वैभव जैन बड़ामलहरा ने बताया कि महाराजश्री ने धर्मसभा में साधना, जीवन की क्षणभंगुरता और कषायों से बचने का संदेश दिया।

जीवन क्षणभंगुर है...

महाराजश्री ने कहा कि मनुष्य जीवन क्षणिक है। ओस की बूंद के समान आयु भी विनाशशील है। रूप-सौंदर्य सदा नहीं रहेगा। पल भर में कब क्या हो जाए, पता नहीं। बीतने वाली घड़ी लौटकर नहीं आती। समय निरंतर व्यतीत हो रहा है। मृत्यु आने से पहले कुछ अच्छा कार्य कर लेना चाहिए। आज का पुरुषार्थ ही भविष्य में अच्छे भव का निर्माण करेगा।

कषाय की अग्नि से बचें

उन्होंने कहा कि लोभ भी आग है, क्रोध भी ज्वाला है, मान भी अंगारा है और माया भी अग्नि है। राग, द्वेष और मोह भी अग्नि के समान हैं। चाहे चंदन की आग हो या बांस की, दोनों ही जलाती हैं। इसलिए कषायों की अग्नि से बचें और क्षमा रूपी नीर का सिंचन करें।

भोगों में सुख नहीं, सुखाभास है

पट्टाचार्यश्री ने कहा कि इंद्रिय सुख और भोगों में वास्तविक सुख नहीं है, बल्कि वह सुखाभास है। भोगों से मिलने वाला सुख

क्षणिक और क्षणभंगुर होता है। वास्तविक सुख आत्मिक शांति और संयम में निहित है।

श्री अभिषेक अशोक पाटील
कार्याध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद, कोल्हापुर

जयपुर में 16वीं चेतन तीर्थ यात्रा का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद, मानसरोवर संभाग, जयपुर के तत्वावधान में 16वीं चेतन तीर्थ यात्रा एवं मुनि-आर्यिका दर्शन यात्रा का आयोजन रविवार, 16 अगस्त 2026 को किया गया। यात्रा का शुभारंभ प्रातः 6:30 बजे वरुण पथ जैन मंदिर से हुआ। यात्रा का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री राजेंद्र शाह ने किया। उन्होंने वरुण पथ दिगंबर जैन मंदिर से बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर परम शिरोमणि संरक्षक श्री राजीव जैन, श्री सतीश कुमार कासलीवाल, परम संरक्षक श्री शेखर चंद जैन, श्री सौभाग मलजी जैन, युवा परिषद के केंद्रीय महामंत्री श्री उदय भानजी जैन, प्रदेश अध्यक्ष श्री दिलीप कुमार जैन, मंत्री श्री विमल बज, वरुण पथ जैन मंदिर के अध्यक्ष श्री जे.के. जैन, उपाध्यक्ष श्री लोकेश सोगानी तथा परिषद के सलाहकार श्री सुधीर गोधा एवं श्री राजेश जैन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। युवा परिषद के अध्यक्ष श्री अशोक बिंदायका एवं महामंत्री श्री नरेश शाह ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य श्रद्धालुओं को विभिन्न स्थानों पर विराजमान मुनिराज एवं आर्यिकाओं के दर्शन का अवसर प्रदान करना था। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने वरुण पथ, मानसरोवर, मीरा मार्ग, विवेक विहार, मंगल विहार, चित्रकूट, कमला नेहरू नगर, पारस विहार, मुरलीपुरा एवं चौमूं स्थित जैन मंदिरों के दर्शन किए। यह धार्मिक यात्रा समाज में आध्यात्मिक चेतना, संस्कार एवं सामाजिक एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यात्रा के दौरान प्रातःकालीन वात्सल्य भोज श्री चिंतामणि पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार में मुख्य ट्रस्टी श्री पवन गोदिका की ओर से कराया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गोदिका एवं मंत्री प्रमोद बाकलीवाल ने सभी यात्रियों की अगवानी की। पारस विहार नवयुवा मंडल की ओर से तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर यात्रियों का स्वागत किया गया। मुनि श्री विश्वविजय सागरजी गुरुदेव ने मंगल आशीर्वाद देते हुए कहा कि आपका बहुत बड़ा सौभाग्य है कि इस पंचम काल में चलते-फिरते तीर्थों के दर्शन का अवसर मिल रहा है। सायंकालीन वात्सल्य भोज दिगंबर जैन समाज, चौमूं की ओर से कराया गया। इसमें श्री राजेंद्र बड़जात्या, श्री जयप्रकाश पाटनी, श्रीमती प्रभा पाटनी, श्री राजेंद्र पाटनी एवं कार्यकारिणी का विशेष सहयोग रहा। इस पवित्र यात्रा में परिषद के नीरज बाकलीवाल, मुकेश जैन, सीमा गोधा, संजयजी, सुचित जैन एवं समस्त संयोजकों का विशेष सहयोग रहा। साथ ही संजयजी अजमेरा, नवीन जैन, सतीशजी काला, पुष्पा जैन, स्नेहलता जैन, अमित बाकलीवाल, मनोज जैन, राकेश सोगानी, नितेश सोगानी, पदमजी भरतपुर वाले, चेतन जैन, राकेश छाबड़ा, कैलाशजी सेठी, पंकज गंगवाल, श्रीमती रतन सोगानी, संयोजक एवं लक्ष्य जैन ने भी आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। अंत में श्री रवि गोदिका ने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों एवं समाजबंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए यात्रा को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वास्थ्य एवं जागरूकता के माध्यम से प्रिय माताजी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

जयपुर. शाबाश इंडिया

स्वर्गीय श्रीमती कृष्णा कांता मिश्रा की पुण्य स्मृति में 17 अगस्त 2026 को होटल ग्रैंड सफारी, जयपुर में विशेष हेल्थ टॉक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, जयपुर की ओर से संस्कृति युवा संस्था के सहयोग तथा मिश्रा परिवार के सौजन्य से किया गया। इस अवसर पर परिवारजन, मित्र एवं शुभचिंतक एकत्र हुए और स्वर्गीय श्रीमती कृष्णा कांता मिश्रा की स्मृतियों को नमन करते हुए स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

पहल के बारे में

मिश्रा परिवार के सदस्य पं. सुरेश मिश्रा एवं नीलम मिश्रा, मुकेश मिश्रा एवं प्रिया मिश्रा तथा योगेश मिश्रा एवं निमिषा मिश्रा ने बताया कि अपनी प्रिय माताजी स्वर्गीय श्रीमती कृष्णा कांता मिश्रा की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से इस हेल्थ टॉक की परिकल्पना की गई। परिवार ने बताया कि उनकी स्मृति को केवल पारंपरिक श्रद्धांजलि तक सीमित न रखते हुए स्वास्थ्य, जागरूकता एवं जनकल्याण से जोड़ने का प्रयास किया गया है। परिवार का मानना है कि किसी प्रियजन की स्मृति को समाज के लिए उपयोगी पहल से जोड़ना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य स्वयं और अपने प्रियजनों को दिया जाने वाला सबसे अनमोल उपहार है। इसी सोच के साथ हेल्थ टॉक के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता, निवारक स्वास्थ्य देखभाल तथा समय रहते चिकित्सकीय परामर्श लेने का संदेश समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने साझा किए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संदेश

कार्यक्रम में फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, जयपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। डॉ. दिलीप मेहता, एडिशनल डायरेक्टर, ऑर्थोपेडिक्स एवं जॉइंट प्रिजर्वेशन सर्जरी ने जोड़ों के स्वास्थ्य, ऑर्थोपेडिक समस्याओं तथा सक्रिय एवं स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के महत्व की जानकारी दी। डॉ. इशु गोयल, कंसल्टेंट, न्यूरोलॉजी एवं मूवमेंट डिसऑर्डर विशेषज्ञ ने न्यूरोलॉजिकल स्वास्थ्य एवं मूवमेंट संबंधी विकारों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने समय रहते लक्षणों की पहचान और उचित चिकित्सकीय परामर्श के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. हेमेंद्र शर्मा, सीनियर कंसल्टेंट, मिनिमली इनवेसिव एवं जनरल सर्जरी ने आधुनिक सर्जिकल तकनीकों तथा मिनिमली इनवेसिव प्रक्रियाओं के माध्यम से बेहतर उपचार एवं रिकवरी की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ संवाद ने उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक बनने तथा निवारक स्वास्थ्य देखभाल को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। मिश्रा परिवार ने फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, जयपुर, सभी विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं संस्कृति युवा संस्था का आभार व्यक्त किया। परिवार ने कहा कि सभी के सहयोग से स्वर्गीय श्रीमती कृष्णा कांता मिश्रा की स्मृति में आयोजित यह पहल सार्थक बन सकी।

विद्यार्थियों को गुड टच एवं बैड टच की दी जानकारी

नसीराबाद. शाबाश इंडिया। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अजमेर के अध्यक्ष एवं सचिव के निर्देशानुसार 18 अगस्त 2026 को तालुका नसीराबाद के न्यायिक अधिकारियों की ओर से विभिन्न विद्यालयों में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विद्यार्थियों को अच्छे स्पर्श और बुरे स्पर्श के बारे में जागरूक किया गया। तालुका सचिव ने बताया कि रालसा, जयपुर के राज्य स्तरीय अभियान ''ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूजडे'' के तहत मंगलवार को तालुका नसीराबाद में ''गुड टच एवं बैड टच'' थीम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। न्यायिक अधिकारी श्रीमती ममता सैनी, अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश, नसीराबाद ने आर्मी पब्लिक स्कूल, नसीराबाद में विद्यार्थियों को गुड टच एवं बैड टच के बारे में जानकारी दी। वहीं न्यायिक अधिकारी श्री महावीर सैनी, सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, नसीराबाद ने शहीद अल्लानूर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिटूर में विद्यार्थियों को जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को शारीरिक, मानसिक एवं यौन दुर्व्यवहार से संबंधित जानकारी दी। साथ ही ऐसे मामलों से संबंधित कानूनी प्रावधानों एवं अपने अधिकारों के प्रति भी जागरूक किया गया। कार्यक्रमों के सफल आयोजन में संबंधित विद्यालयों के संस्था प्रधानों एवं स्टाफ ने सकारात्मक सहयोग प्रदान किया।

उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. गौड़ सम्मानित

नसीराबाद. शाबाश इंडिया

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजकीय सामान्य चिकित्सालय, नसीराबाद के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनायक गौड़ को संभागीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। संयुक्त निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, अजमेर संभाग की ओर से डॉ. गौड़ को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। डॉ. गौड़ की यह उपलब्धि राजकीय सामान्य चिकित्सालय में उनके उत्कृष्ट स्वास्थ्य नेतृत्व, चिकित्सा सेवाओं के प्रति समर्पण एवं प्रशासनिक कुशलता का प्रमाण है। संभागीय स्तर पर मिला यह सम्मान चिकित्सा जगत के साथ-साथ क्षेत्रवासियों के लिए भी हर्ष का विषय है। चिकित्सालय परिवार ने डॉ. गौड़ को बधाई देते हुए कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन में चिकित्सालय एवं स्वास्थ्य सेवाएं निरंतर नई ऊंचाइयों को छुएंगी। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की।

दीक्षार्थियों पर बरसा सुधासागरजी का वात्सल्य

आचार्य विशुद्धसागरजी के पांच दीक्षार्थियों को मिला मुनि सुधासागरजी का मंगल आशीर्वाद

इंदौर. शाबाश इंडिया। श्रमण संस्कृति के महामहिम आचार्य विशुद्धसागरजी महाराज के पांच दीक्षार्थियों को परम पूज्य तीर्थ चक्रवर्ती निर्यापक मुनि श्री सुधासागरजी महाराज का मंगल आशीर्वाद प्राप्त हुआ। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि तीर्थ स्वरूप आदिनाथ जिनालय, छत्रपति नगर में चातुर्मासरत परम पूज्य सुधासागरजी गुरुदेव ने पांचों दीक्षार्थी भाइयों के सिर पर स्नेह से हाथ रखकर उन्हें धर्म, संयम एवं साधना के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा दी। श्रमण संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा का एक अद्भुत एवं भावपूर्ण दृश्य समाजजनों को देखने को मिला। दिल्ली में पट्टाचार्य आचार्य विशुद्धसागरजी महाराज से दीक्षा ग्रहण करने वाले पांचों दीक्षार्थी भाइयों को जगतपूज्य मुनिपुंगव 108 श्री सुधासागरजी महाराज का वात्सल्यमयी आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

वात्सल्य से अभिभूत हुए दीक्षार्थी

भावपूर्ण दृश्य में गुरुदेव ने एक-एक कर सभी दीक्षार्थियों के सिर पर स्नेह से हाथ फेरते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया। कुछ दीक्षार्थी भावविभोर होकर गुरुदेव के चरणों में झुक गए। गुरुदेव ने उन्हें उठाकर पुनः आशीर्वाद दिया। पूरे वातावरण में शांति, श्रद्धा और वात्सल्य का भाव व्याप्त रहा। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि गुरुदेव ने दीक्षार्थियों को धर्म, संयम और साधना के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि दीक्षा का मार्ग कठिन है, लेकिन गुरु का आशीर्वाद और आत्मबल हो तो हर बाधा को पार किया जा सकता है। इस अवसर पर पांचों दीक्षार्थी भाइयों ने गुरुदेव सुधासागरजी महाराज का पाद प्रक्षालन भी किया। इस भावपूर्ण प्रसंग के साक्षी बने अक्षय भैया, डॉ. जैनेन्द्र जैन, राकेश शाह, कमलेश-नीना पाहड़िया, मुक्ता-राजेश जैन दद्दू, अतिशय जैन सहित अनेक श्रावक-श्राविकाएं भी उपस्थित रहे। सभी ने इस दुर्लभ एवं भावपूर्ण क्षण को अपने लिए सौभाग्यशाली माना और ''नमोस्तु शासन जयवंत हो'' के जयघोष से वातावरण गुंजायमान कर दिया। जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. जैनेन्द्र जैन ने कहा कि यह प्रसंग 'गुरु की कृपा' और 'शिष्य की समर्पण भावना' का जीवंत उदाहरण है। जब गुरु का हाथ शिष्य के सिर पर होता है, तो शिष्य का जीवन धन्य हो जाता है।

राजेश जैन दद्दू: धर्म समाज प्रचारक, इंदौर

आत्मीयता का प्रमाण दुःख में मिलता है : मुनि सुधासागरजी

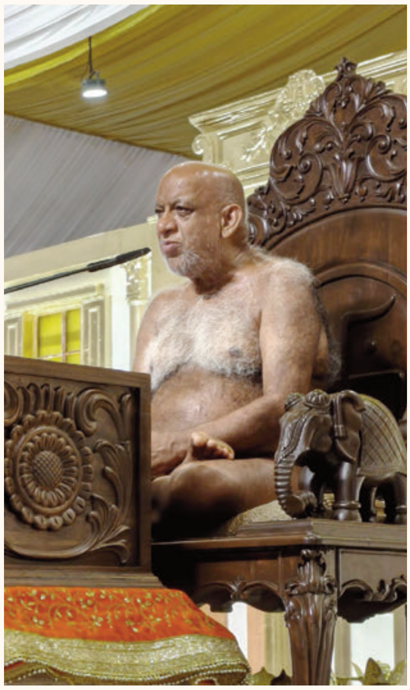

इंदौर. शाबाश इंडिया। छत्रपति नगर स्थित दलालबाग के देशना मंडप में चातुर्मासरत श्रमण निर्यापक मुनि श्री 108 सुधासागरजी महाराज ने मंगलवार की धर्मसभा में श्रद्धा, आत्मीयता और धर्म के प्रति समर्पण पर विस्तृत देशना दी। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि मंगल देशना में मुनिश्री ने श्रद्धा और जिनवाणी के महत्व के साथ गृहस्थ जीवन, दान तथा धार्मिक संपत्ति के प्रति सावधानी का संदेश दिया।

जहां आंखें नहीं पहुंचतीं, वहां जिनवाणी पर विश्वास

मुनिश्री ने कहा कि विश्व में शायद ही कोई ऐसा देश या समाज होगा, जहां मनुष्य किसी न किसी अदृश्य शक्ति पर विश्वास न करता हो। भौतिकता आंखों का विषय है, लेकिन भगवान और जिनवाणी विश्वास और श्रद्धा के विषय हैं। तीर्थंकर जैसे महान व्यक्तित्व भी जिनवाणी और गणधर परमेष्ठी की देशना सुनकर ही मोक्षमार्ग की ओर बढ़े। उन्होंने कहा कि जब हमारे मुनि महाराज के पिता स्वयं जिनेंद्र देव हैं, तो हमें अपने उस पिता पर संदेह नहीं करना चाहिए। श्रद्धा का अर्थ ही है कि जहां हमारी आंखें नहीं पहुंचतीं, वहां जिनवाणी और गुरु की देशना पर विश्वास रखना।

आत्मीयता का वास्तविक लक्ष्य

गुरुदेव ने कहा कि आत्मीयता केवल प्रेम के शब्दों का नाम नहीं है। यह उस भावना का नाम है, जहां एक के दुःख में दूसरा भी दुःखी हो जाए। दुःख गुरु को होता है तो शिष्य दुःखी होता है। साधु को अंतराय आती है तो आंसू श्रद्धालु की आंखों से निकलते हैं। भूख तुम्हें लगती है तो चिंता तुम्हारी मां और पत्नी करती हैं। यही आत्मीयता का लक्ष्य है। कौन तुम्हें कितना चाहता है, इसका प्रमाण तुम्हारे सुख में नहीं, बल्कि तुम्हारे दुःख में मिलता है।

घर में मनुहार और शगुन

मुनिश्री ने गृहस्थ जीवन का सूत्र देते हुए कहा कि जहां मनुहार होती है, वहां शगुन होता है। इसलिए घर में कभी मांगकर भोजन या पानी नहीं लेना चाहिए। प्रेम से निमंत्रण मिले, तभी ग्रहण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस घर में परस्पर प्रेम, सम्मान और मनुहार की परंपरा होती है, वहां कभी अन्न की कमी नहीं होती। वहां सदा अन्नपूर्णा का वास बना रहता है।

धर्म और मंदिर की संपत्ति के प्रति सावधानी

धर्म के प्रति सावधान करते हुए मुनिश्री ने कहा कि धर्म के साथ कभी मजाक नहीं करना चाहिए। मंदिर की संपत्ति, दान और धार्मिक कार्यों में कभी नीयत खराब नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि पूर्व जन्म में मंदिर के दान या बोली का भुगतान नहीं किया तो इस जन्म में उसका परिणाम भोगना पड़ सकता है। बोली लेकर धार्मिक कार्य भी हो जाए, नाम भी हो जाए, समय भी निकल जाए और भुगतान न किया जाए, तो यह बहुत बड़ा दोष है। गुरुदेव ने कहा कि धर्म से खिलवाड़ मत करो, अन्यथा पछतावा होगा और उस पछतावे के आंसू पोंछने के लिए शायद सुधासागर के पास रूमाल भी कम पड़ जाए।

जैन समाज की समृद्धि का कारण वचनबद्धता

मुनिश्री ने कहा कि जैन समाज की समृद्धि के पीछे वचनबद्धता और दान की भावना है। जैन श्रावक के मुख से जो एक बार निकल जाता है, उसे पूरा किया जाता है। दान तभी फलता है, जब उसके पीछे शुद्ध भावना, स्पष्ट संकल्प और वचन को पूरा करने की दृढ़ता हो। अंत में गुरुदेव ने कहा कि हमारी वजह से धर्म नहीं है, बल्कि हम श्रावक और मुनि धर्म की वजह से हैं। इसलिए धर्म को अहंकार, स्वार्थ या मजाक का विषय कभी नहीं बनाना चाहिए। इस अवसर पर देशना मंडप में अशोक डोसी, आकाश आलोक कोल, अनील अंचल, आनंद, नवीन गोधा, सपना-मनीष गोधा, हुकम काका, हर्ष जैन, भूपेंद्र जैन, डॉ. जैनेन्द्र जैन, विपुल बाजलां, श्रुत जैन, सोनाली बागड़िया, अर्चना गोधा सहित समाज के अनेक श्रेष्ठी उपस्थित रहे।

राजेश जैन दद्दू: धर्म समाज प्रचारक, इंदौर

सावन के तीसरे सोमवार पर सजाई भोले बाबा की मनमोहक झांकी, मनाया लहरिया उत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। सावन के तीसरे सोमवार के अवसर पर दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा गणेश मंदिर परिसर के स्वयं आत्माराम जलेश्वर महादेव मंदिर में भोले बाबा की आकर्षक झांकी सजाई गई तथा अमृत भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस मौके पर बाबा का दरबार भक्तों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। कलाकारों ने भजनों के माध्यम से भोले बाबा की भक्ति की। सर्व समाज हिंदू महासभा के संस्थापक चंद्रप्रकाश भाड़ेवाला ने बताया कि सुबह भोले बाबा का दूध, दही एवं भांग सहित विभिन्न द्रव्यों से जयकारों के बीच अभिषेक किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने लहरिया उत्सव के तहत सावन के गीत गाए और भजनों के माध्यम से भोले बाबा को रिझाया। उन्होंने बताया कि इस मौके पर नीरज अग्रवाल, ब्रजकिशोर, पवन शारा, सुनील विजय, प्रवीण, मुरली एवं सुरेश पंचाल सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए और भजनामृत का आनंद लिया।

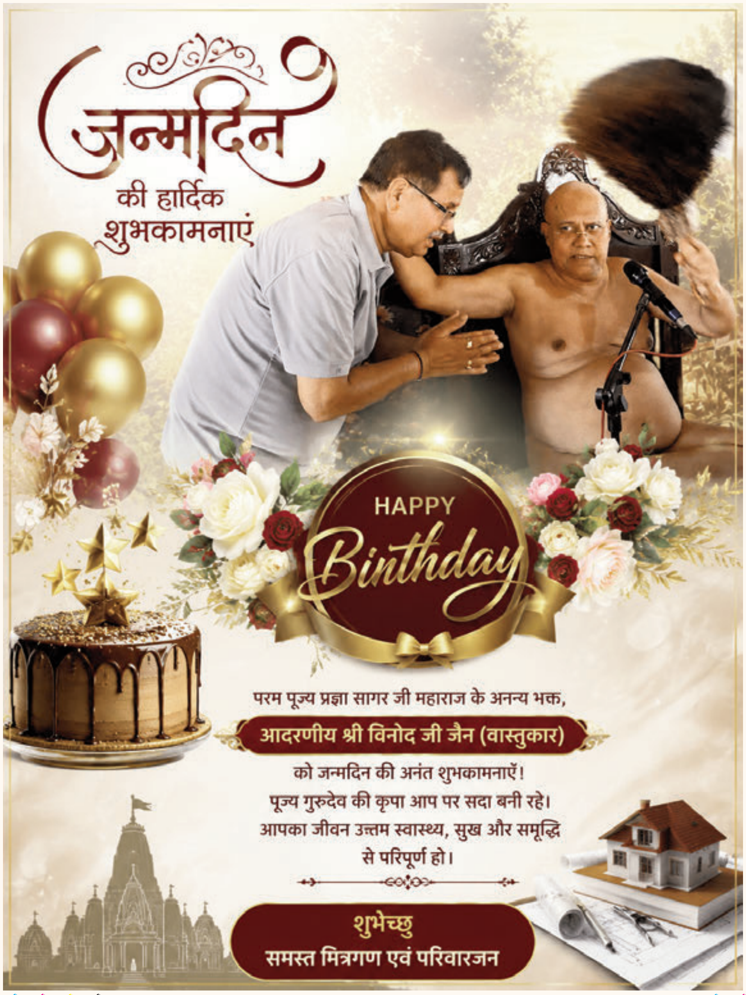

भगवान नेमिनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव मनाया

पदमपुरा. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र बड़ा पदमपुरा में जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि इस अवसर पर प्रातः भगवान नेमिनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। इसके बाद अष्टद्रव्य से भगवान की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। पूजा के दौरान मंत्रोच्चार के साथ जन्म एवं तप कल्याणक के श्लोकों का उच्चारण किया गया तथा जयकारों के बीच भगवान को अर्घ्य समर्पित किए गए। इसके बाद महाआरती का आयोजन किया गया और कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर पं. अनिल शास्त्री, नरेश गंगवाल, सोनू काला, रोहित जैन, पारस जैन नासिरदा, अमन जैन कोटखावदा सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

विश्व शांति मंत्र नमोकार के विधान से प्राप्त होती है शांति : आचार्य विशदसागरजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर की चित्रकूट कॉलोनी स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में विराजित आचार्य श्री विशदसागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य में नमोकार मंत्र महाआराधना का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर समिति के अध्यक्ष अनिल काशीपुरा एवं महामंत्री मूलचंद पाटनी ने बताया कि 35 दिवसीय इस आयोजन में श्रद्धालु भक्तिभाव से अर्घ्य समर्पित कर रहे हैं। आचार्य श्री विशदसागरजी महाराज ने कहा कि इस विधान से न केवल परिवार और समाज, बल्कि संपूर्ण विश्व में शांति स्थापित हो रही है। नमोकार मंत्र की आराधना आत्मशांति के साथ विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त करती है।

भगवान नेमिनाथ का जन्मकल्याणक मनाया

आयोजन के दौरान भगवान नेमिनाथ का जन्मकल्याणक भी श्रद्धा एवं भक्तिभाव से मनाया गया। प्रातः विशेष पूजा-अर्चना के साथ भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। शांतिधारा का सौभाग्य समाजसेवी श्रीमती अंजना देवी, महावीर सुरेंद्र जैन एडवोकेट एवं निधि जैन परिवार को प्राप्त हुआ। विधान में प्रतिदिन मंडल पर पंच परमेष्ठी भगवान को अर्घ्य समर्पित किए जा रहे हैं।

तपस्या में लीन मुनिराज

आचार्य विशदसागरजी महाराज के संघ में मुनि विशालसागरजी निरंतर कठिन तपस्या कर रहे हैं। मुनिश्री ने 35 घंटे तक अखंड पद्मासन मुद्रा में मंत्रोच्चार के साथ तपस्या की। संघ में मुनि विभोरसागरजी, मुनि विपिनसागरजी सहित अन्य तपस्वी भी चातुर्मास के दौरान आत्मसाधना में लीन हैं।

जैन धर्म व भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए दल विदेश यात्रा करते हुए न्यू जर्सी पहुंचा

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म एवं भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जय जिनेंद्र ग्रुप, महावीर नगर का 10 सदस्यीय दल चार सप्ताह की विदेश यात्रा पर जयपुर से रवाना होकर सैन फ्रांसिस्को और ऑरलैंडो होते हुए न्यू जर्सी पहुंचा। न्यू जर्सी पहुंचने पर दल के सदस्यों ने जैन मंदिर के दर्शन किए। श्री दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री एवं जय जिनेंद्र ग्रुप के सुरेंद्र जैन पांड्या ने बताया कि चार सप्ताह की इस यात्रा के दौरान दल अमेरिका के विभिन्न राज्यों की यात्रा करेगा तथा वहां स्थित जैन मंदिरों के दर्शन करेगा। साथ ही जैन समाज के लोगों से मिलकर धर्म चर्चा एवं जैन धर्म तथा भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लेगा। उन्होंने बताया कि यात्रा की शुरूआत सैन फ्रांसिस्को से हुई। एयरपोर्ट से निकलने के बाद दल ने सबसे पहले जैन मंदिर के दर्शन किए। यहां विशेष बात यह रही कि एक ही मंदिर में दोनों जैन परंपराओं के धर्मावलंबी मिलकर पूजा-अर्चना करते हैं। दल के सदस्यों ने इसे जैन समाज की एकता एवं सौहार्द का प्रेरणादायी उदाहरण बताया। इस दल में सेवानिवृत्त न्यायाधीश नरेंद्र कुमार जैन, सुरेश काला, कैलाश जैन एवं सुरेश सोगानी सहित 10 सदस्य शामिल हैं।

अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था की महिला मंडल ने हर्षोल्लास से मनाया लहरिया महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था के महिला मंडल के तत्वावधान में लहरिया महोत्सव एवं तीज उत्सव का भव्य आयोजन हर्षोल्लास और उमंग के साथ किया गया। रंग-बिरंगे लहरिया परिधानों में सजी महिलाओं ने कार्यक्रम में राजस्थानी संस्कृति एवं परंपराओं की मनमोहक छटा बिखेरी। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। महिला मंडल की सचिव संगीता जैन ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती चंद्रकला जैन रहीं। चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन नेहा जैन ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि मंजू जैन, उर्मिला जैन एवं अनिता जैन (लूनियावास) ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। लहरिया महोत्सव में महिलाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक, धार्मिक एवं मनोरंजक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। गीत-संगीत और उत्साह से पूरा वातावरण तीज की उमंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम की संरक्षक श्रीमती स्नेहलता जैन ने तीज महोत्सव के पावन अवसर पर सभी महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति, परंपराओं एवं आपसी स्नेह को मजबूत करते हैं। अंत में संस्था की संयोजक रेणु जैन एवं कोषाध्यक्ष चंचल जैन ने सभी अतिथियों एवं महिलाओं का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए आभार व्यक्त किया। अध्यक्ष पिंकी जैन ने कहा कि लहरिया के रंगों और तीज की उमंग ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया।

रोटरी क्लब जयपुर सिटिजन ने मनाया स्वतंत्रता दिवस समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटिजन के बैनर तले अल्बर्ट हॉल पर भव्य स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। तिरंगे की रोशनी से सजे अल्बर्ट हॉल में देशभक्ति एवं राष्ट्रसेवा का संदेश दिया गया। समारोह में पूर्व महापौर कुसुम यादव एवं पुरातत्व विभाग के निदेशक सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। देशसेवा एवं वीरता के लिए कर्नल विश्वजीत सिंह, शौर्य चक्र, कैप्टन (आईएन) किशन सिंह चूंडावत, शौर्य चक्र (सेवानिवृत्त), कर्नल रणवीर सिंह, शौर्य चक्र (सेवानिवृत्त), कर्नल अनिल पूनिया एवं किरण सिंह का सम्मान किया गया। अतिथियों को आमंत्रित करने एवं आयोजन की व्यवस्थाओं में रोटेरियन महेश शर्मा एवं रोटेरियन नीरज लुहाड़िया का विशेष योगदान रहा। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन मोहित अग्रवाल ने कहा कि स्वतंत्रता हमारे अधिकार के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। कार्यक्रम अध्यक्ष रोटेरियन मनोज जैन के नेतृत्व में समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समन्वयकों एवं संयोजकों अक्षत थोलिया, मोहित जैन, शरद अग्रवाल, अंकित, नीलम जैन, जिनेंद्र, राजश्री जैन, ललित प्रकाश, ललिता शर्मा, मुकेश-प्रिया मिश्रा एवं पंकज-टीना अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। क्लब के पूर्व अध्यक्षों, रोटेरियन सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर 14 अगस्त की शाम अल्बर्ट हॉल पर लगाया गया विशेष सेल्फी प्वाइंट भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम के अंत में क्लब सचिव रोटेरियन सचिन जैन ने सभी अतिथियों, सदस्यों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

स्नेक प्लांट के पौधारोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

चौमूं. शाबाश इंडिया

श्री गीतागोपाल नाट्यकला संस्थान, चौमूं के तत्वावधान में वीर हनुमान मार्ग स्थित खेल स्टेडियम में स्नेक प्लांट के पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना एवं हरियाली को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्री रामलाल शर्मा रहे। उन्होंने स्नेक प्लांट के पौधे लगाकर पौधारोपण अभियान में सहभागिता की तथा लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर रंगमंच कलाकार एवं संस्थान अध्यक्ष सुनील सोगण ने स्नेक प्लांट के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पौधा घरों एवं कार्यालयों में लगाने के लिए उपयोगी माना जाता है और वायु की गुणवत्ता बेहतर करने में सहायक होता है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करना भी जरूरी है। संस्थान के सचिव घनश्याम जांगिड़ ने भी स्नेक प्लांट के पौधे लगाए और इसके महत्व की जानकारी देते हुए लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि पौधे हमारे जीवन का महत्वपूर्ण आधार हैं और उनकी सुरक्षा एवं देखभाल हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में बसंत कुमार सहित अन्य युवा साथी उपस्थित रहे। सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्थान की ओर से लोगों से अपील की गई कि वे अपने घरों, कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थानों पर अधिक से अधिक पौधे लगाएं और पर्यावरण को स्वच्छ, सुंदर एवं हरा-भरा बनाने में अपना योगदान दें।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स बनाने पर जयपुर की दित्या जैन का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराने पर जय जवान कॉलोनी निवासी प्रख्यात समाजसेवी एवं मुनिभक्त अशोक जैन 'नेता' एवं अल्का जैन गोदरा 'नेता' की पौत्री तथा अर्पित-आयुषी की 6 वर्षीय पुत्री दित्या जैन का सम्मान किया गया। दित्या जैन की इस उपलब्धि पर नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारकजी की नसियां के जैन भवन में उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागरजी महाराज के सानिध्य में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, मंत्री उमराव सांघी, श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद के महामंत्री सुनील जैन बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश जैन काला, दित्या जैन के नाना-नानी अरुण जैन 'मटरू' एवं पूर्व पार्षद आशा जैन काला सहित समाज के अनेक श्रेष्ठीजनों ने रिकॉर्डधारी दित्या जैन का तिलक, दुपट्टा, माला एवं साफा पहनाकर तथा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मान किया। इस अवसर पर उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागरजी महाराज ने दित्या की उपलब्धि की सराहना करते हुए समाज में छिपी प्रतिभाओं को निखारने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने बच्चों में बचपन से ही धार्मिक संस्कार देने चाहिए, ताकि आने वाले समय में ये प्रतिभाएं जैन धर्म की पताका पूरी दुनिया में फहरा सकें।

ऐसे बनाया रिकॉर्ड

रिकॉर्ड के बारे में जानकारी देते हुए अशोक जैन 'नेता' एवं अर्पित जैन ने बताया कि मात्र 6 वर्ष की अल्पायु में दित्या ने आंखों पर पट्टी बांधकर 2 मिनट 14 सेकंड में 24 जैन तीर्थंकरों के फ्लैश कार्ड को केवल स्पर्श एवं सूक्ष्म बोध के आधार पर पहचानते हुए उनके नाम एवं चिह्नों का सटीक और त्रुटिरहित स्मरण प्रस्तुत किया। इस उपलब्धि के लिए उसका नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। दित्या की इस उपलब्धि पर समाज के विभिन्न संगठनों एवं समाजबंधुओं ने उसे बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

दीक्षा देखने से भावों में विशुद्धता और परिणामों में निर्मलता आती है : मुनि श्री हितेंद्र सागरजी

सीकर. शाबाश इंडिया

प्रथमाचार्य श्री शांतिसागरजी महाराज की परंपरा के तृतीय पट्टाधीश आचार्य श्री धर्मसागरजी से दीक्षित 76 वर्षीय राजकीय अतिथि आचार्य श्री वर्धमानसागरजी महाराज 37 वर्षों से आचार्य पद पर प्रतिष्ठित हैं। संयम जीवन का 58वां चातुर्मास आचार्यश्री 36 साधुओं के संघ के साथ पारसनाथ भवन, दंग की नसिया, सीकर में कर रहे हैं। इसी क्रम में दीक्षा महोत्सव के तहत मंगलवार को विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए। मुनि श्री हितेंद्र सागरजी महाराज ने प्रातःकालीन धर्मसभा में कहा कि दिगंबर साधु की दीक्षा अत्यंत सातिशय पुण्य के उदय से देखने को मिलती है। यह चतुर्थकालीन चर्या का पालन करने वाले आचार्य श्री वर्धमानसागरजी का समवशरण है। दीक्षा देखने से भावों में विशुद्धता और परिणामों में

निर्मलता आती है। उन्होंने भगवान आदिनाथ के दीक्षा प्रसंग से संबंधित कथा के माध्यम से सभी श्रद्धालुओं को दीक्षा संस्कार में सहभागी बनने की प्रेरणा दी। मुनिश्री ने बताया कि दीक्षा संस्कार के अवसर पर दीक्षार्थी के चौक पूरण की भी विशेष परंपरा है। जिस स्थान पर दीक्षा संस्कार होता है, वहां पवित्र वस्त्र बिछाकर उस पर आचार्यश्री स्वस्तिक का लेखन करते हैं। इसके पूर्व सौभाग्यशाली महिलाएं चावल आदि से चौक पूरण करती हैं। यह कार्य परंपरानुसार इंद्राणी द्वारा किया जाता है। दीक्षा के बाद दीक्षार्थी को संयम के उपकरण पिच्छी, कमंडल, शास्त्र आदि प्रदान करने से भी पुण्य की प्राप्ति होती है। इससे पूर्व श्री देशनुमति ने कहा कि दीक्षा से जीवन में परिवर्तन आता है। दीक्षा साधना एवं संयम का मार्ग है। सभी सात दीक्षार्थियों में क्षुल्लक श्री प्राप्तिसागरजी, क्षुल्लक श्री प्रतिज्ञासागरजी एवं क्षुल्लिका श्री प्रदीप्तिमती ने कटोरे के स्थान पर करपात्र में आहार ग्रहण किया। अन्य दीक्षार्थी श्री नवरत्न पाटनी, श्रीमती शकुंतला देवी, श्री महावीर एवं श्रीमती मनोरमा ने भी करपात्र में आहार ग्रहण किया। इससे पूर्व सभी दीक्षार्थियों ने आचार्यश्री एवं संघ के साधुओं को आहार कराया। दोपहर में आचार्य श्री वर्धमानसागरजी एवं संघ के सानिध्य में पंडित कीर्तिश पारसोला के निर्देशन में दीक्षार्थियों ने श्री गणधर वलय विधान की पूजा की। विधान में अष्टद्रव्य, श्रीफल, फल,

नैवेद्य एवं पुष्प आदि समर्पित किए गए। आचार्यश्री ने पूजन के दौरान अर्घ्य समर्पित करने का महत्व बताते हुए कहा कि पूजन भगवान के गुणों का स्मरण करते हुए उनके जैसा बनने की भावना से की जाती है। विधान के दौरान आचार्य श्री वर्धमानसागरजी, मुनि श्री हितेंद्र सागरजी एवं संघ के साधुओं ने मंत्रोच्चार किया।

त्याग, संयम और आत्मविजय से ही जीवन बनता है सार्थक: आचार्यश्री उदारसागर

मुरैना. शाबाश इंडिया। नगर में चातुर्मासरत जैनाचार्य विद्यासागरजी एवं अभिनंदन सागरजी महाराज के परम प्रभावक आज्ञानुवर्ती शिष्य ज्ञानरत्नाकर आचार्य श्री 108 उदारसागरजी महाराज ने बड़ा जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य समंतभद्र स्वामी रचित रत्नकरण्ड श्रावकाचार के माध्यम से सच्चे गुरु के लक्षणों पर विस्तार से प्रकाश डाला। आचार्यश्री ने कहा कि गुरु केवल उपदेश देने वाला नहीं, बल्कि अपने आचरण से शिष्य को धर्म, संयम एवं आत्मकल्याण का मार्ग दिखाने वाला होता है। आचार्यश्री ने कहा कि सच्चे गुरु की पहचान उनके ज्ञान के साथ-साथ त्याग, तप, संयम एवं अपरिग्रह से होती है। मूलाचार में वर्णित गुरु के चार भेदों की चर्चा करते हुए उन्होंने नग्नत्व की महत्ता समझाई। उन्होंने कहा कि दिगंबर साधु का नग्नत्व किसी प्रदर्शन का विषय नहीं, बल्कि पूर्ण अपरिग्रह एवं संसार के प्रति ममत्व के त्याग का प्रतीक है। साधु जब वस्त्र सहित समस्त बाहरी परिग्रहों का त्याग करता है, तब वह आत्मा की वास्तविक स्वतंत्रता की ओर बढ़ता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य के पास वस्तुएं कम हों, यह मात्र अपरिग्रह नहीं है। वस्तुओं के प्रति ममत्व समाप्त होना वास्तविक अपरिग्रह है। आचार्यश्री ने सूई, पापड़ और बरी के उदाहरण देते हुए कहा कि वस्तु छोटी हो या बड़ी, मूल्यवान हो या सामान्य, यदि उसके प्रति मन में ''यह मेरा है'' का भाव उत्पन्न हो गया तो वही परिग्रह बन जाता है। इसलिए परिग्रह वस्तु में नहीं, बल्कि मन की आसक्ति में रहता है। आचार्यश्री ने कहा कि आज मनुष्य सुविधाओं को सुख समझने लगा है। घर बड़ा होता जा रहा है, वस्तुओं की संख्या बढ़ती जा रही है, लेकिन मन की शांति कम होती जा रही है। इसका कारण बाहरी साधनों की कमी नहीं, बल्कि भीतर बढ़ता हुआ ममत्व एवं मोह है। जैन दर्शन हमें वस्तुओं का विरोध करना नहीं, बल्कि उनके प्रति आसक्ति का त्याग करना सिखाता है। गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी व्यक्ति आवश्यकता और संग्रह के बीच का अंतर समझकर अपरिग्रह की भावना को अपना सकता है।

महावीर इंटरनेशनल केंद्रीय निवाई ने लगाया निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

निवाई. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल केंद्रीय निवाई की ओर से जिला अंधता नियंत्रण समिति, टोंक के सहयोग से राजकीय चिकित्सालय, निवाई में 17 एवं 18 अगस्त 2026 को निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 140 मरीजों की नेत्र जांच की गई। इनमें से 24 मरीजों को लेंस प्रत्यारोपण के लिए चयनित किया गया तथा उनका निशुल्क लेंस प्रत्यारोपण कराया गया। ऑपरेशन के बाद मरीजों को आंखों की सुरक्षा के लिए काले चश्मे प्रदान किए गए। ऑपरेशन के तुरंत बाद मरीजों के लिए चाय-बिस्कुट की व्यवस्था भी की गई। इस सेवा में निवाई केंद्र के अध्यक्ष वीर हुकमचंद जैन का विशेष सहयोग रहा। शिविर के सफल आयोजन में महावीर इंटरनेशनल के वीर सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। वीर महेंद्र कुमार जैन, वीर रामराय विजय, वीर विमल जैन सहित अन्य सदस्यों ने मरीजों की सेवा एवं व्यवस्थाओं में योगदान दिया। कार्यक्रम में डॉ. राजेश जैन, डॉ. पी.एन. बैरवा, डॉ. गोयल, डॉ. वर्मा, समाजसेवी श्री महावीर प्रसाद पराना वाले, श्री महेंद्र कुमार पराना वाले, लायन हनुमानजी, प्रिंसिपल श्री सीताराम वर्मा सहित अनेक गणमान्य लोगों ने सहभागिता की। महावीर इंटरनेशनल निवाई की ओर से सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया। चिकित्सकों एवं आयोजकों ने ऑपरेशन के बाद मरीजों को आंखों की विशेष देखभाल के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए तथा मिट्टी, धूप, तेज हवा एवं पानी से आंखों को बचाने की सलाह दी। शिविर का लाभ निवाई एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों ने उठाया। पीपलू, शिवाड़, सोहेला, दौताना, टोंक, पराना, बरौनी, बोली सहित विभिन्न क्षेत्रों से मरीज उपचार के लिए पहुंचे। शिविर के अंत में सभी मरीजों को काले चश्मे वितरित किए गए। महावीर इंटरनेशनल निवाई ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग करने वाले चिकित्सकों, समाजसेवियों, सदस्यों एवं सभी सहयोगियों का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया।

वीर अशोक जैन: सेक्रेटरी, महावीर इंटरनेशनल, निवाई

सेवा सप्ताह में जेएसजी वीनस जयपुर ने किए विभिन्न सेवा कार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजी नॉर्दर्न रीजन की ओर से 16 से 23 अगस्त 2026 तक सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके तहत जेएसजी वीनस जयपुर की ओर से विभिन्न सेवा कार्य आयोजित किए जा रहे हैं। सेवा सप्ताह के तहत 16 अगस्त को दुर्गापुरा गौशाला में गायों को चारा एवं गुड़ खिलाया गया। इस सेवा कार्य के पुण्यार्जक अक्षय-रीना मोदी रहे। 17 अगस्त को इसी गौशाला में पक्षियों के लिए चुग्गा-दाना डाला गया, जिसके पुण्यार्जक भी अक्षय-रीना मोदी रहे। 18 अगस्त को जयपुरिया अस्पताल के बाहर स्थित अन्नपूर्णा रसोई में निर्धन एवं जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया गया। इस सेवा कार्य के पुण्यार्जक रविंद्र-रचना बिलाला एवं सुनील-अंजू सेठी रहे। वीनस ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष शैलेंद्र शाह ने तीनों पुण्यार्जक दंपतियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा कार्य समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में राजकुमार जैन (संस्थापक अध्यक्ष, जेएसजी कीर्ति ग्रुप), शैलेंद्र शाह, रविंद्र-रचना बिलाला, अजय-निधि बड़जात्या, अक्षय-रीना मोदी, दीपक-पायल बिलाला, सुनील-अंजू सेठी, सुरेंद्र-रतनप्रभा जैन, राजीव-सीमा जैन सहित वीनस ग्रुप के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सेवा सप्ताह के आयोजन में अक्षय-रीना जैन बंटी मोदी (मुख्य संयोजक), निधि-अजय बड़जात्या, सुनील-अंजू सेठी एवं संदीप-रोहिणी सोगानी (संयोजक) सहित समस्त वीनस परिवार का सहयोग रहा।

पूजा प्रक्षाल ग्रुप हावड़ा ने आयोजित की नवगांव तीर्थ यात्रा

हावड़ा (कोलकाता). शाबाश इंडिया

पूजा प्रक्षाल ग्रुप हावड़ा की ओर से 14 अगस्त, शुक्रवार को 55-60 साधर्मी बंधुओं के साथ नवगांव तीर्थ यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के लिए बस की व्यवस्था की गई, जिसे लेकर स्थानीय जैन समाज में काफी उत्साह रहा। नवगांव तीर्थ यात्रा का शुभारंभ 14 अगस्त को श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, डबसन से हुआ। इस अवसर पर स्थानीय जैन समाज की ओर से तीर्थ यात्रा पर जाने वाले सभी साधर्मी बंधुओं का स्वागत किया गया। यात्रा का पहला पड़ाव 15 अगस्त की सुबह श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, धूलियान में हुआ। यहां सभी साधर्मी बंधुओं ने भगवान का अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्थानीय जैन समाज के साथ ध्वजारोहण भी किया गया। धूलियान से पाकुड़ एवं औरंगाबाद होते हुए धर्मयात्रा शाम को मिजार्पुर पहुंची। यहां स्थानीय जैन समाज की ओर से सभी साधर्मी बंधुओं का भव्य स्वागत किया गया। संध्याकालीन आरती के बाद करीब 20 किलोमीटर दूर जांगीपुर स्थित जैन मंदिर के दर्शन किए गए। इसके बाद मिजार्पुर में रात्रि विश्राम हुआ। 16 अगस्त, रविवार को मिजार्पुर में मूलनायक भगवान 1008 पार्श्वनाथ का अभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवं पंच परमेष्ठी विधान किया गया। इसके बाद यात्रा सन्मतिनगर एवं लालगोला होते हुए जियागंज पहुंची। लालगोला में मूलनायक भगवान 1008 पद्मप्रभु के दर्शन किए गए। जियागंज में साधर्मी बंधुओं ने मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ की मंगल आरती की। सायंकालीन भोजन के बाद यात्रा बहरमपुर पहुंची। यहां मूलनायक भगवान 1008 महावीर स्वामी की संध्याकालीन आरती की गई तथा 20वें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रतनाथ के दर्शन किए गए। श्री मनोज जैन छाबड़ा एवं श्री मनीष जैन ने धर्मयात्रा में शामिल सभी साधर्मी बंधुओं का विशेष आभार व्यक्त किया। सुजीत जैन (सोनू भैया), अजय जैन, आशीष जैन, अशोक जैन, दिलीप जैन एवं संदीप जैन ने यात्रा के दौरान सभी मंदिरों के पदाधिकारियों एवं स्थानीय जैन समाज द्वारा किए गए स्वागत-सत्कार के लिए आभार जताया। मनीष जैन पाटनी ने कहा कि नवगांव यात्रा के दौरान स्थानीय समाजों की ओर से मिला सम्मान एवं आत्मीयता एक मिसाल है, जिसे सभी यात्री हमेशा याद रखेंगे। बहरमपुर में यात्रा के समापन अवसर पर अविनाश जैन, सनत जैन, चक्रेश जैन एवं सुकांत जैन सहित साधर्मी बंधुओं ने पूजा प्रक्षाल ग्रुप के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस प्रकार की धार्मिक यात्राओं के आयोजन का आग्रह किया।

तत्त्वार्थ सूत्र की परीक्षा में 108 श्रद्धालुओं ने लिया भाग

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर, वरुण पथ, मानसरोवर, जयपुर में परम पूज्य गणिनी आर्यिका 105 श्री विभाश्री माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में चल रही तत्त्वार्थ सूत्र एवं भक्तामर की नियमित कक्षाओं के अंतर्गत तत्त्वार्थ सूत्र के अध्याय की परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। प्रचार संयोजक जिनेश कुमार जैन ने बताया कि परीक्षा में 108 श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। परीक्षा हॉल में महिलाओं एवं पुरुषों की लगभग समान भागीदारी रही। पूरा हॉल ज्ञानार्जन के प्रति उत्साह से भरा नजर आया। सभी प्रतिभागियों ने शांत वातावरण में पूरी गंभीरता एवं एकाग्रता के साथ परीक्षा देकर धर्म एवं ज्ञान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष जे.के. जैन एवं मंत्री ज्ञान बिलाला ने बताया कि तत्त्वार्थ सूत्र के विभिन्न अध्यायों के पूर्ण होने पर समय-समय पर इसी प्रकार परीक्षाएं आयोजित की जाती रहेंगी। प्रत्येक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मंदिर समिति की ओर से पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष लोकेश सोगानी एवं कोषाध्यक्ष हेमेंद्र सेठी ने बताया कि नियमित रूप से अध्ययन करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अंतिम समापन एवं पुरस्कार समारोह में सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया जाएगा।

सुप्रभात • जय जिनेन्द्र

सादर आमंत्रण

अत्यंत हर्ष के साथ सूचित किया जाता है कि आचार्य कुशाग्र नंदी जी गुरुदेव भगवान के आशीर्वाद से एवं सकल दिगम्बर जैन समाज, पारस विहार/आसपास की कॉलोनिया/ सकल दिगम्बर जैन समाज, जयपुर के समस्त साधर्मी बंधुओं के पुण्योदय से परम पूज्य **गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज** एवं **पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज** के परम प्रभावक शिष्य, परम पूज्य सरल स्वभावी संत **मुनिवर श्री विश्वविजय सागर जी** का वर्षायोग **चातुर्मास 2026** में मंदिर जी में प्रवास चल रहा है।

इसी पावन अवसर पर दिनांक **19 अगस्त 2026,** बुधवार को भगवान श्री पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक महापर्व के शुभ अवसर पर निम्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे :-

प्रात: 7:15 बजे — अभिषेक

प्रात: 7:30 बजे — शांतिधारा

प्रात: 8:30 बजे — सभी साधर्मी बंधुओं की सहभागिता से भगवान श्री पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक महापर्व पर निर्वाण लड्डू चढ़ाया जाएगा।

अत: पारस विहार, मुहाना मंडी एवं आसपास की सभी कॉलोनियों के समस्त साधर्मी बंधुओं से सादर निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर अपनी सहभागिता प्रदान करें तथा बड़े हर्षोल्लास एवं श्रद्धाभाव के साथ भगवान श्री पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक महापर्व पर निर्वाण लड्डू अर्पित कर पुण्यार्जन करें।

🙏 विशेष निवेदन: कृपया निर्धारित समय पर पधारने की कृपा करें। 🙏

|| जय जिनेन्द्र ||

निवेदक

पवन कुमार जैन

अध्यक्ष

चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर

एवं समस्त मंदिर प्रबंध कारिणी समिति एवं चातुर्मास कमेटी, मोहनपुरा, मुहाना मंडी, जयपुर-29

ज़िंदगी में कुछ चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें बनाने में वर्षों लग जाते हैं, लेकिन मिटाने में सिर्फ एक पल : अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी महाराज

पुष्पगिरी, सोनकच्छ. शाबाश इंडिया

परम पूज्य पुष्पगिरी तीर्थ प्रणेता गणाचार्य श्री पुष्पदंतसागरजी महाराज के सानिध्य में अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी महाराज एवं उपाध्याय श्री पीयूषसागरजी महाराज ससंघ वर्षायोग के लिए पुष्पगिरी तीर्थ पर विराजमान हैं। उनके सानिध्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी महाराज ने जीवन में संयम, विवेक और संतुलन का महत्व समझाया। आचार्यश्री ने कहा कि जितनी तेजी से किसी चीज को मिटाया जा सकता है, उतनी तेजी से उसे बनाया नहीं जा सकता। क्योंकि बनने में वक्त लगता है, मिटने में नहीं। सृजन में समय लगता है, विसर्जन में नहीं। फिर वह चाहे कोई एप्लिकेशन हो या रिश्ता। उन्होंने कहा कि स्वयं से परेशान होकर झगड़ा न करें। जोश में आकर स्वयं का नुकसान न करें। दूसरों पर दोषारोपण करने से नकारात्मकता ही फैलती है। अनावश्यक कार्यों से स्वयं को दूर रखें। झुककर और हाथ जोड़कर ही व्यक्ति बेहतर इंसान बन सकता है। आचार्यश्री ने कहा कि एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए–बटर लगाने वाले के हाथ में चाकू होता है। सहयोग मांगने जाओ तो कई बार लोग अपनी बातें सुना देते हैं। बात पता चल जाए तो लोग उसका मजाक बनाते हैं। इसलिए अपने जख्म हर किसी के सामने उजागर नहीं करने चाहिए, क्योंकि अक्सर लोग मौके का फायदा उठा लेते हैं। उन्होंने कहा कि यह सब समय का चक्र है, जो हमें बार-बार घुमाता रहता है। उदाहरण देते हुए आचार्यश्री ने कहा कि आदमी भजिया, बड़ा, समोसा और कचौड़ी खाकर बीमार पड़ता है। फिर अस्पताल के पलंग पर बैठकर संतरा, मौसमी और सेब खाता है। उससे मिलने वाले सगे-संबंधी भी अस्पताल में उसके लिए यही फल लेकर आते हैं। ठीक होकर अस्पताल से बाहर निकलते ही वह फिर सड़क किनारे खड़े होकर वही भजिया, समोसा, बड़ा और कचौड़ी खाने लगता है। यही जीवन का चक्र है–गलती हम करते हैं, सबक हमें मिलता है, कुछ समय सुधारते हैं और फिर वही गलती दोहरा देते हैं। आचार्यश्री ने कहा कि इसी तरह मनुष्य पैसा कमाने के लिए दिन-रात मेहनत करता है और मेहनत करते-करते अपने स्वास्थ्य को बिगाड़ लेता है। जब शरीर बिगड़ जाता है तो उसे ठीक करने के लिए वही कमाया हुआ पैसा खर्च करता है। पैसा कमाने के लिए स्वास्थ्य खोया और स्वास्थ्य पाने के लिए पैसा खोया। उन्होंने कहा कि फिर भी इंसान नहीं समझता कि जिस शरीर के लिए धन कमाया, उस शरीर को ही समय नहीं दिया। जिस परिवार के लिए दौलत जुटाई, उसी परिवार के साथ बैठने का वक्त नहीं निकाला। जिस सुख के लिए पूरी जिंदगी दौड़ता रहा, वही सुख कहीं रास्ते में छूट गया। आचार्यश्री ने कहा कि जीवन को केवल कमाने की मशीन नहीं बनाना चाहिए। थोड़ा कमाइए, थोड़ा बचाइए, थोड़ा बांटिए, थोड़ा मुस्कुराइए और सबसे जरूरी–अपने लिए, अपनों के लिए एवं अपने शरीर के लिए थोड़ा समय जरूर निकालिए। उन्होंने कहा कि जिंदगी दोबारा डाउनलोड नहीं होती, समय दोबारा इंस्टॉल नहीं होता और जो पल डिलीट हो गया, वह कभी रिस्टोर नहीं होता। इसलिए जीवन को जीना सीखिए, सिर्फ गुजारना नहीं। इस अवसर की जानकारी प्रचार-प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा एवं पीयूष कासलीवाल, औरंगाबाद ने दी।

मोक्ष कल्याणक पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा

आर.के. कम्युनिटी सेंटर में कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ, 19 अगस्त को होंगे विभिन्न धार्मिक आयोजन

किशनगढ़. शाबाश इंडिया

धर्म नगरी किशनगढ़ में देवाधिदेव 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव को लेकर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आर.के. कम्युनिटी सेंटर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य 108 श्री वर्धमान सागरजी महाराज, आचार्य 108 श्री विराग सागरजी महाराज एवं आचार्य 108 श्री विशुद्ध सागरजी महाराज के चित्रों के अनावरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तीनों आचार्यों के चित्रों का अनावरण, पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य उर्मिला देवी, अनिलजी-अरुणाजी तथा कथन एवं तनिशा पांड्या (सावर) के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में उनके परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर पूर्वाचार्यों को अर्घ्य भी समर्पित किए गए। कार्यक्रम का संचालन बसंत बैद ने किया। मुनि 108 श्री विजयेश सागरजी महाराज ने मंगल प्रवचन दिए। वहीं आचार्य 108 श्री विहर्षसागरजी महाराज ने भक्तामर स्तोत्र के तीसरे श्लोक के भाव एवं महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। 23वें तीर्थंकर देवाधिदेव 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान के निर्वाण दिवस पर 19 अगस्त को विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मोक्ष कल्याणक की पूर्व संध्या पर श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्री दिगंबर वीर संगीत मंडल की ओर से णमोकार मंत्र पाठ का आयोजन किया जाएगा। मोक्ष कल्याणक के अवसर पर प्रातः 7 बजे श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर में निर्वाण लड्डू चढ़ाया जाएगा। इसके पश्चात मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में 23 जिनेंद्र प्रभुओं की पालकियां एवं श्री पार्श्वनाथ भगवान की भव्य रथयात्रा शामिल होगी। 23 परिवारों को एक-एक पालकी लेने का सौभाग्य प्राप्त होगा। शोभायात्रा के आर.के. कम्युनिटी सेंटर पहुंचने के बाद भव्य कृत्रिम सम्मेद शिखर की रचना का अनावरण किया जाएगा। इसके बाद एक साथ 24 जिनेंद्र प्रभुओं का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न होगी। तत्पश्चात कृत्रिम सम्मेद शिखर पर मुख्य पुण्यार्जक परिवार द्वारा निर्वाण लड्डू समर्पित किया जाएगा।

मुनि 108 श्री विजयेश सागरजी को प्रदान किया जाएगा उपाध्याय पद

श्री पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक महोत्सव के विशेष अवसर पर आचार्य 108 श्री विहर्षसागरजी महाराज द्वारा मुनि 108 श्री विजयेश सागरजी महाराज को उपाध्याय पद प्रदान किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, किशनगढ़ में पहली बार ऐसा विशेष अवसर देखने को मिलेगा, जब एक आचार्य अपने शिष्य को उपाध्याय पद से अलंकृत करेंगे। इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन में अनेक राज्यों से श्रद्धालुओं के पहुंचने की

संभावना है। मोक्ष सप्तमी के अवसर पर उपवास करने वाले बालक-बालिकाओं के लिए आर.के. कम्युनिटी सेंटर में शुद्ध कुएं के जल की व्यवस्था की गई है। साथ ही बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक धार्मिक प्रश्नोत्तरी एवं म्यूजिकल हाउजी का आयोजन भी किया जाएगा। कार्यक्रम में विजेता बच्चों को पुरस्कार रमणलाल, सुनील एवं मनीष भानावत (केसरियाजी वाले) परिवार की ओर से प्रदान किए जाएंगे।

रोटरी क्लब जयपुर सिटिजन ने मनाया भव्य स्वतंत्रता दिवस समारोह

तिरंगे की रोशनी से जगमगाया अल्बर्ट हॉल, देशभक्ति और सेवा भावना से सराबोर रहा समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटिजन की ओर से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अल्बर्ट हॉल में भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। तिरंगे की रोशनी से सजे अल्बर्ट हॉल के ऐतिहासिक परिसर में आयोजित कार्यक्रम में देशभक्ति, संगीत, उत्साह और रोटरी फेलोशिप का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में पूर्व महापौर श्रीमती कुसुम यादव, पुरातत्व विभाग के निदेशक सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने शिरकत की। अतिथियों एवं रोटेरियन सदस्यों ने राष्ट्र के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों एवं देश के वीर जवानों को नमन किया। स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को जनसहभागिता से जोड़ने के उद्देश्य से रोटरी क्लब जयपुर सिटिजन की ओर से 14 अगस्त की शाम अल्बर्ट हॉल परिसर में विशेष सेल्फी प्वाइंट भी स्थापित किया गया। तिरंगे एवं देशभक्ति की थीम पर तैयार इस सेल्फी प्वाइंट पर शहरवासियों एवं आगंतुकों ने उत्साहपूर्वक तस्वीरें खिंचवाईं।

यह सेल्फी प्वाइंट 15 अगस्त की रात तक लोगों के लिए उपलब्ध रहा और बड़ी संख्या में लोगों ने इसका आनंद लिया। समारोह के दौरान देशसेवा एवं राष्ट्र के प्रति अद्वितीय योगदान के लिए विशिष्ट सैन्य अधिकारियों एवं समाजसेवी व्यक्तित्वों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर कर्नल विश्वजीत सिंह, शौर्य चक्र, कैप्टन (आईएन) किशन सिंह चूंडावत, एससी (सेवानिवृत्त), कर्नल रणवीर सिंह, एससी (सेवानिवृत्त), कर्नल अनिल पूनिया एवं श्रीमती किरण सिंह का रोटरी क्लब जयपुर सिटिजन की ओर से सम्मान किया गया। इन विशिष्ट अतिथियों को समारोह में आमंत्रित करने के साथ-साथ कार्यक्रम के समन्वय एवं व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने में रोटेरियन महेश शर्मा एवं रोटेरियन नीरज लुहाड़िया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके निरंतर प्रयास, व्यक्तिगत संपर्क एवं सक्रिय सहयोग ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर रोटरी क्लब जयपुर सिटिजन के अध्यक्ष रोटेरियन मोहित अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि स्वतंत्रता केवल हमारा अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि रोटरी का ''सेवा स्वयं से पहले'' का सिद्धांत समाजसेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने सभी सदस्यों से सेवा कार्यों को और व्यापक स्तर पर ले जाने का आह्वान किया। कार्यक्रम अध्यक्ष रोटेरियन मनोज जैन के नेतृत्व में आयोजन की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रूप से संचालित किया गया। उन्होंने आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं पर बारीकी से ध्यान देते हुए पूरी टीम के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समन्वयक रोटेरियन अक्षत थोलिया, रोटेरियन मोहित जैन एवं रोटेरियन शरद अग्रवाल तथा संयोजक रोटेरियन अंकित, रोटेरियन नीलम जैन, रोटेरियन जिनेंद्र राजश्री जैन, रोटेरियन ललित प्रकाश, रोटेरियन ललिता शर्मा, रोटेरियन मुकेश प्रिया मिश्रा एवं रोटेरियन पंकज टीना अग्रवाल का विशेष योगदान रहा। समारोह में रोटरी क्लब जयपुर सिटिजन के पूर्व अध्यक्षों, रोटेरियन सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सदस्यों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया। देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों एवं शानदार वातावरण के बीच सभी ने स्वतंत्रता दिवस का उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया। कार्यक्रम के अंत में सचिव रोटेरियन सचिन जैन ने सभी अतिथियों, पूर्व अध्यक्षों, रोटेरियन सदस्यों, परिवारजनों, कार्यक्रम अध्यक्ष, समन्वयकों, संयोजकों एवं आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यक्रम की वास्तविक सफलता उसके सदस्यों की सहभागिता से होती है।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घेवड़ा में सदन एवं क्लब पदाधिकारियों के लिए मतदान संपन्न

तिंवरी, जोधपुर. शाबाश इंडिया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घेवड़ा में इको क्लब, यूथ क्लब एवं आईटी इनोवेशन क्लब के अध्यक्ष एवं सचिव तथा पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु सदनों के कप्तान एवं उपकप्तान पदों के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत मतदान संपन्न हुआ। आयोजन में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मतदान की संपूर्ण प्रक्रिया निर्वाचन साक्षरता क्लब के विद्यार्थियों ने जिम्मेदारीपूर्वक संपन्न की। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित हुई। सर्वसम्मति से चयनित पदाधिकारियों में पृथ्वी सदन से कक्षा 11 की मनु को कप्तान एवं कक्षा 12 के सुमेर को उपकप्तान, जल सदन से कक्षा 11 के राजेंद्र को कप्तान एवं कक्षा 12 के लिछू को उपकप्तान, अग्नि सदन से कक्षा 12 के प्रेमा राम को कप्तान एवं कक्षा 10 की हरियाली को उपकप्तान, आकाश सदन से कक्षा 12 के राहुल को कप्तान एवं कक्षा 9 के काना राम को उपकप्तान तथा वायु सदन से कक्षा 11 के गणेश को कप्तान एवं कक्षा 11 की सुहाना राजपुरोहित को उपकप्तान चुना गया। इसी प्रकार इको क्लब के अध्यक्ष पद पर कक्षा 10 के मोती सिंह एवं सचिव पद पर कक्षा 11 की उर्मिला, यूथ क्लब के अध्यक्ष पद पर कक्षा 9 की प्रियंका एवं सचिव पद पर कक्षा 12 की शांति तथा आईटी इनोवेशन क्लब के अध्यक्ष पद पर कक्षा 12 की देविका एवं सचिव पद पर कक्षा 10 की निकिता चौधरी का चयन किया गया।

पदम चंद गांधी हुए सम्मानित

भोपाल. शाबाश इंडिया

प्रभात साहित्य परिषद द्वारा राष्ट्रीय रचनाओं पर आधारित काव्य गोष्ठी का आयोजन हिंदी भवन में किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार, लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर एवं आध्यात्मिक चिंतक पदम चंद गांधी को उनकी सर्वश्रेष्ठ रचना के लिए 'सरस्वती प्रभा सम्मान' से अलंकृत किया गया। गोष्ठी का आयोजन गीतकार अशोक निर्मल के संरक्षण में, वरिष्ठ साहित्यकार महेश प्रसाद सिंह की अध्यक्षता तथा साहित्य मर्मज्ञ राजेंद्र शर्मा 'अक्षर' के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर अनेक जाने-माने साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को भावविभोर किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि विद्या श्रीवास्तव के साथ गणमान्य साहित्यकार डॉ. अनीता तिवारी, डॉ. रमेश राजेश तिवारी सहित अनेक साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन मधुर लता शर्मा ने किया। अंत में संस्था के संस्थापक रमेश नंद ने सभी अतिथियों, साहित्यकारों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

जेस साउथ चैप्टर का सुरमयी संध्या कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जैन इंजीनियर्स साउथ चैप्टर द्वारा इंद्रलोक ऑडिटोरियम में 'सुरमयी संध्या' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति एवं सांस्कृतिक भावनाओं से ओतप्रोत गीतों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरूआत मंगलाचरण से हुई। इससे पूर्व ग्रुप के सदस्यों एवं अतिथियों ने भोजनालय में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। इसके बाद मुख्य अतिथि इंजीनियर अशोक जैन (सेवानिवृत्त आईएएस), जेस फेडरेशन के उपाध्यक्ष तथा विशिष्ट अतिथि इंजीनियर प्रेमचंद छाबड़ा, साउथ चैप्टर अध्यक्ष महेंद्र कासलीवाल, सचिव विनोद बड़जात्या, नॉर्थ जोन चेयरमैन देवेंद्र मोहन जैन सहित अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि इंजीनियर अशोक जैन एवं विशिष्ट अतिथि इंजीनियर प्रेमचंद छाबड़ा का दुपट्टा, माला एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न कलाकारों ने देशभक्ति एवं सांस्कृतिक भावनाओं से ओतप्रोत गीतों की प्रस्तुतियां दीं। मुख्य अतिथि अशोक जैन ने भी अपनी मधुर आवाज में गीत प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। जेस साउथ चैप्टर के सदस्यों के अलावा एमएनआईटी, लॉयंस, प्रेयस सहित अन्य संस्थाओं के सदस्यों ने भी अपनी प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम से प्रभावित होकर दो इंजीनियरों ने जेस साउथ चैप्टर की सदस्यता ग्रहण करने की घोषणा की। कार्यक्रम में शुरू से अंत तक उपस्थित रहने वाले सदस्यों के लिए लॉटरी के माध्यम से दो पुरस्कार निकाले गए तथा विजेताओं को उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के समापन पर तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगे के साथ निकली इस यात्रा के माध्यम से देश की एकता, अखंडता एवं राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया गया। तिरंगा यात्रा के दौरान उपस्थितजन देशभक्ति के गीतों पर उत्साहपूर्वक झूमते नजर आए। रात्रि में सभी के लिए चाय एवं अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम के संयोजक चंद्रप्रकाश बाफना, वीरेन कोरडिया, प्रमोद बोहरा एवं डॉ. प्रभा लुहाड़िया ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंच संचालन वीरेन एवं श्रीमती सुषमा कोरडिया ने किया। अंत में साउथ चैप्टर अध्यक्ष महेंद्र कासलीवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, सदस्यों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

एम्बिशन किड्स एकेडमी में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। एम्बिशन किड्स एकेडमी में 15 अगस्त 2026 को भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास, उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण समारोह से हुआ। विद्यालय के चेयरमैन डॉ. एम. एल. जैन (मणि) एवं डॉ. शांति जैन ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राष्ट्रगान के साथ पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति के भाव से गूंज उठा। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या डॉ. अलका जैन ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, बलिदान एवं संघर्ष से प्रेरणा लेने तथा देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। उपाचार्या अनीता जैन ने बताया कि नर्सरी से कक्षा 2 तक के विद्यार्थियों ने मनमोहक समूह नृत्य प्रस्तुत किए। कक्षा 3 के विद्यार्थियों ने सामूहिक कविता के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कक्षा 4 के विद्यार्थियों ने नारा लेखन गतिविधि में भाग लेकर देशभक्ति से ओतप्रोत संदेश प्रस्तुत किए। कक्षा 5 के विद्यार्थियों ने ''मेरा भारत, मेरा गौरव'', ''स्वच्छ भारत, हरित भारत'' एवं ''हमारे सैनिक, हमारे नायक'' जैसे विषयों पर आकर्षक पोस्टर बनाए। कक्षा 6 के विद्यार्थियों ने ''भारत@2047–भविष्य की परिकल्पना'' विषय पर पोस्टर एवं स्लोगन गतिविधि के माध्यम से विकसित एवं प्रगतिशील भारत के प्रति अपने सपनों और विचारों को अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कक्षा 7 एवं 8 के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति से ओतप्रोत नाटक 'एक वीर की कहानी' रहा। प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों ने देश के वीर सैनिकों के साहस, त्याग एवं राष्ट्रप्रेम को श्रद्धापूर्वक प्रस्तुत किया। पूरे कार्यक्रम में विद्यार्थियों की देशभक्ति, रचनात्मकता, आत्मविश्वास, टीम भावना एवं राष्ट्र के प्रति सम्मान स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। कार्यक्रम के समापन पर निदेशक डॉ. मनीष जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने समारोह को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया तथा सभी को राष्ट्र की प्रगति में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया। समारोह के अंत में चेयरमैन डॉ. एम. एल. जैन (मणि) द्वारा सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को लड्डू वितरित किए गए। मिठाई वितरण के साथ ही पूरे विद्यालय परिसर में खुशी और उत्साह का वातावरण बना रहा। सम्पूर्ण कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में देशप्रेम, एकता, अनुशासन, जिम्मेदारी एवं मातृभूमि के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत किया।

डॉ. अखिल बंसल का सुयश

भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत सेवा रत्न अवार्ड से किया सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन समाज के ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ पत्रकार एवं समन्वय वाणी के संपादक डॉ. अखिल बंसल को 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पत्रकारिता एवं मीडिया के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए ''भारत सेवा रत्न अवार्ड'' से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली स्थित एनसीएमडी कन्वेंशन सेंटर, संसद मार्ग में आयोजित समारोह में वाईएसएस इंडिया फाउंडेशन के पदाधिकारियों एवं भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। डॉ. बंसल अब तक विभिन्न संस्थाओं से 20 से अधिक पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। हाल ही में उन्हें राजस्थान अधिस्वीकृत पत्रकार संघ का संयोजक बनाया गया है।इसके अलावा, जैन समाज की प्रतिष्ठित संस्था टोडरमल स्मारक द्वारा उन्हें निःस्वार्थ भाव से करीब 50 वर्षों से साहित्य प्रकाशन के क्षेत्र में योगदान के लिए 9 अगस्त को शिक्षण शिविर के दौरान सार्वजनिक अभिनंदन कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि डॉ. बंसल ने अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन, अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ एवं अथाई मीडिया इंटरनेशनल जैसी संस्थाओं के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और पदाधिकारी के रूप में कार्य करते हुए इन संस्थाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में योगदान दिया। वे सोशल मीडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष तथा अखिल भारतीय दिगंबर जैन विद्वत्परिषद के महामंत्री भी हैं। निडर एवं सकारात्मक आलोचक, स्नेहिल व्यवहार, हंसमुख स्वभाव तथा बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी डॉ. बंसल को मिले इस सम्मान पर साहित्यकारों, विद्वत वर्ग एवं मीडिया जगत से जुड़े सहयोगियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। शताधिक मित्रों एवं सहयोगियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज, राजस्थान युवा प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी का विस्तार

उदयपुर. शाबाश इंडिया। फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज, राजस्थान युवा प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी की बैठक रविवार को आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। इसके पश्चात सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से हूमड़ गीत का गायन कर समाज को एक सूत्र में जोड़ने का संकल्प लिया। सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने अपना परिचय दिया। इसके बाद राजस्थान युवा प्रकोष्ठ की विस्तारित कार्यकारिणी की घोषणा की गई। कार्यकारिणी में वीरेंद्र धन्नावत (उदयपुर) एवं ललित तलेटीया (उदयपुर) को परम संरक्षक, चंद्रकुमार भामावत एवं सुभाष धन्नावत को संरक्षक बनाया गया। विमल जैन (उदयपुर) को महामंत्री, नितिन सागोटिया को सहमंत्री तथा नितेश डागरिया को मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। उपाध्यक्ष पद पर जयदीप कोठारी, संपत वगेरिया, जलज जैन (शाह), सीए रजत (सागवाड़ा) एवं अतुल शाह (सागवाड़ा) को मनोनीत किया गया। मनीष जैन (उदयपुर) कोषाध्यक्ष तथा श्रेणिक (सागवाड़ा) को सहकोषाध्यक्ष बनाए गए। कुशल शाह (ऋषभदेव) को प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई। संगठन मंत्री के रूप में नीलेश खासगीवाला (उदयपुर), राकेश दोशी (अजमेर) एवं संजीव धनावत (कलिंजरा) को मनोनीत किया गया। मुनि सेवा प्रभारी के रूप में अभिषेक जैन (जयपुर), सांस्कृतिक मंत्री सौरभ सागोटिया (उदयपुर), खेल एवं सेवा कार्य मंत्री विपिन बंडी (उदयपुर) एवं वृषभ डागरिया (धरियावद) तथा प्रचार-प्रसार मंत्री प्रतीक सागोटिया एवं दर्शन सेठ (उदयपुर) को जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अपूर्व पतंगिया (जयपुर), मयंक डागरिया (प्रतापगढ़), नमन दोसी (सागवाड़ा पुनर्वास कॉलोनी), अंकित मोडासिया (बांसवाड़ा), सुधीर कोडिया एवं नितिन बंडी को मनोनीत किया गया। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष सीए प्रितेश वगेरिया ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए समाज को संगठित करने, युवाओं को जोड़ने तथा सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों को गति देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में नवनियुक्त महामंत्री विमल जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात जैन ध्वज गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

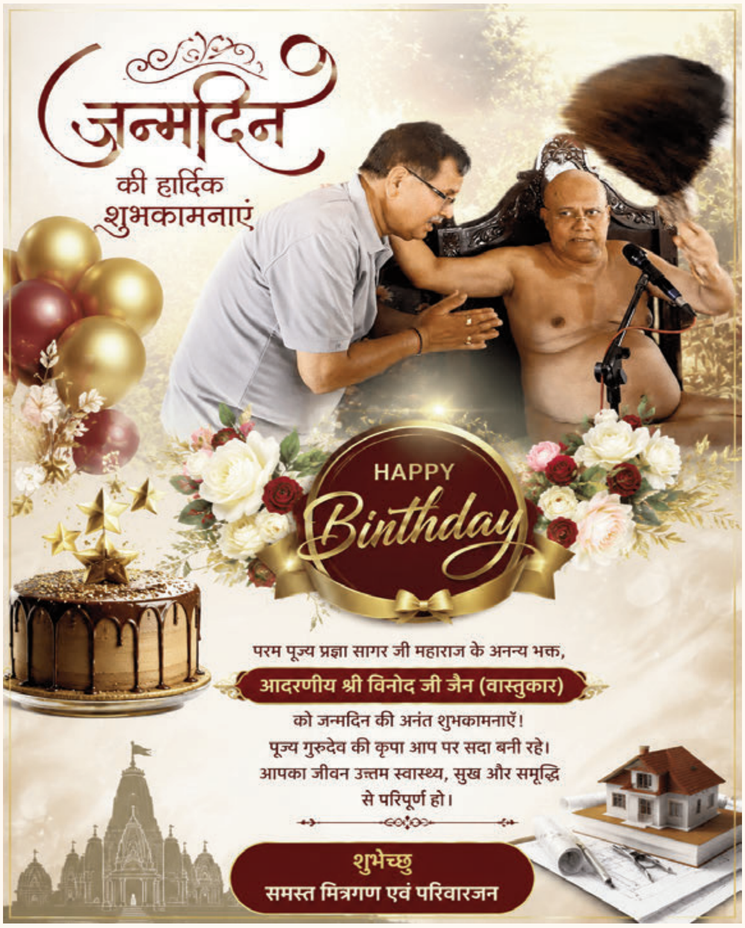

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा राजस्थान के तत्वावधान में तीज महोत्सव समारोह धूमधाम से संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा राजस्थान के तत्वावधान में वैशाली नगर, जयपुर में तीज महोत्सव समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समारोह में जापान से पधारी पूनम शेखावत, रानी महेंद्र कुमारी, वृंदा राठौड़ एवं टोंक की उप जिला प्रमुख आदेश कंवर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा राजस्थान की महिला प्रदेशाध्यक्ष डॉ. माया हाड़ा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष मोती सिंह सांवली ने अतिथियों का परिचय कराते हुए समारोह के उद्देश्य पर प्रकाश डालकर किया। इसके पश्चात तीज माता की पूजा-अर्चना की गई तथा प्रतिभागियों का परिचय कराया गया। इस अवसर पर महिलाओं के लिए नृत्य, संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम, झूला उत्सव एवं मनोरंजक गतिविधियों के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पूरा वातावरण राजस्थानी गीतों एवं लोक संस्कृति से सराबोर नजर आया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. संजय शेखावत, प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट जोरावर सिंह, जितेंद्र सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष भगवत सिंह, प्रवक्ता कल्याण सिंह बीका, टोंक जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह राणावत, महिला उपाध्यक्ष ज्योति कंवर, कृष्णा कंवर सहित सैकड़ों मातृशक्ति उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने तीज के पावन पर्व पर एकता, सांस्कृतिक विरासत एवं आपसी भाईचारे को मजबूत करने का संदेश दिया।

शहीदों की याद में सोहनी फुलकारी पंजाबी वीमेंस सोसाइटी ने की सामूहिक अरदास

विभाजन की विभीषिका को याद कर भावुक सदस्यों ने दी श्रद्धांजलि

कोटा. शाबाश इंडिया

सोहनी फुलकारी पंजाबी वीमेंस सोसाइटी की ओर से ''विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस'' के अवसर पर गुरु तेग बहादुर साहिब गुरुद्वारा में गरिमापूर्ण सामूहिक अरदास का आयोजन किया गया। आयोजन में वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले लाखों निर्दोष लोगों की आत्मशांति के लिए प्रार्थना की गई और उनकी स्मृति को नमन किया गया। शहीदों की स्मृति में आयोजित भावपूर्ण सभा में संस्था की सदस्यों ने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष शीश नवाया तथा देश की अखंडता, शांति और भाईचारे के लिए अरदास की। इस अवसर पर संस्था की संस्थापक सदस्य कृष्णा रानी, वरिष्ठ सदस्य स्नेह साहनी, डॉ. साहनी, आर.पी. कपूर, सचिव कविता गंभीर, उपाध्यक्ष शालिनी विज, कोषाध्यक्ष रानी गोहरी, सह-कोषाध्यक्ष बेबी साहनी, मीडिया प्रभारी रचना चावला, उपसचिव प्रीत अदलखा, स्वीटी ढींगरा और शामी चावला सहित अनेक सदस्य एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संस्था की संस्थापक सदस्य किरण मलिक ने विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ''विभाजन की विभीषिका केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि लाखों परिवारों के उजड़ने और अपनों को खोने का वह गहरा दर्द है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। आज हम उन सभी निर्दोष आत्माओं की शांति के लिए अरदास कर रहे हैं, जिन्होंने उस भयावह दौर को झेला।'' कार्यक्रम के समापन पर संस्था की अध्यक्ष डेजी नरूला ने कहा कि ''विभाजन की त्रासदी हमारे इतिहास का सबसे गहरा और दर्दनाक जख्म है। यह दिन हमें उन लाखों परिवारों के संघर्ष, त्याग और असहनीय पीड़ा की याद दिलाता है। हमारी आने वाली पीढ़ी को इस इतिहास से सीख लेनी चाहिए। हमें हर कीमत पर समाज में शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत करना होगा। यही उन शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।'' **-आजाद शेरवानी**

विमर्श जागृति महिला मंच ने पौधारोपण कर दिया हरियाली का संदेश

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

विमर्श जागृति महिला मंच द्वारा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से गौशाला रोड स्थित पटेल पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया। संस्था की ओर से कहा गया कि ''पेड़ हमारी धरती की सांस हैं। यदि हम आज पौधे नहीं लगाएंगे तो आने वाली पीढ़ी को शुद्ध ऑक्सीजन कहां से मिलेगी।'' इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए पार्क में विभिन्न पौधे लगाए गए। संस्था द्वारा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल के साथ पानी एवं खाद की व्यवस्था करने का भी संकल्प लिया गया। पौधारोपण के बाद शाखा मंत्री पूजा देरखा के निवास पर भक्तामर स्तोत्र का पाठ किया गया। इसके पश्चात सभी सदस्यों ने चाट पार्टी में स्वल्पाहार का आनंद लिया तथा विभिन्न मनोरंजक खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर चार नई सदस्याएं नीति राजपुर, प्रीति सिंघई, कविता बेलई एवं अर्पिता जैन संस्था से जुड़ीं। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष वैशाली बांझल, मंत्री पूजा देरखा, राष्ट्रीय प्रवक्ता स्मृति भारत, प्रीति मोहरी, पूजा दलाल, मीना अथाईखेड़ा, नेहा अथाईखेड़ा, सीमा बंसल, साधना विमलश्री, सरोज जैन, प्रियंका जैन, वर्षा जैन सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं।

नैनागिरि में हुआ बीजेएस का जिला अधिवेशन एवं वृहद वृक्षारोपण

(रत्नेश जैन 'रागी')

बकस्वाहा। तहसील क्षेत्र के विख्यात जैन तीर्थ रेशंदीगिरि नैनागिरि में रविवार को भारतीय जैन संगठन (बीजेएस) का सागर जिला अधिवेशन एवं वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बीजेएस के प्रांतीय महासचिव डॉ. विमल जैन, जबलपुर मुख्य अतिथि रहे। प्रांतीय सचिव डॉ. यतीश जैन, जबलपुर, जबलपुर संभागीय अध्यक्ष प्रमोद मोदी, सचिव सतीश जैन, सागर संभागीय मार्गदर्शक राजेश जैन रागी, बकस्वाहा, संभागीय अध्यक्ष मनोज जैन लालो, सचिव सुकमाल जैन नैनधरा, उपाध्यक्ष संजय दिवाकर, इंजीनियर महेश जैन एवं श्रीमती रेखा जैन अहिंसा सागर विशिष्ट अतिथि रहे। नैनागिरि ट्रस्ट कमेटी के पं. अशोक जैन बम्हौरी, प्रबंध समिति के पं. उदयचंद शास्त्री एवं राजेश सिंघई भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ के अभिषेक एवं शांतिधारा से हुई। इसके बाद भारतीय जैन संगठन के सदस्यों ने तीर्थ परिसर में आम, आंवला, बादाम एवं नीम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए

और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मध्याह्न में जिला अधिवेशन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान के चित्र के अनावरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। स्वागत भाषण में संभागीय अध्यक्ष मनोज जैन लालो ने भारतीय जैन संगठन, सागर संभाग की गतिविधियों एवं कार्यों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ. विमल जैन एवं डॉ. यतीश जैन ने भारतीय जैन संगठन द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए मंथन, दस्तक एवं पारिवारिक अदालत जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के उद्देश्यों एवं उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। सागर जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन मंगलम ने बताया कि अधिवेशन में सागर जिले के विभिन्न चैप्टरों ने सहभागिता की। मकरोनिया, कटरा, बंडा, दलपतपुर, शाहगढ़, गौरझामर एवं महाराजपुर सहित विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में चैप्टर पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। अधिवेशन के दौरान नैनागिरि कमेटी की ओर से कमेटी के प्राचार्य सुमतिप्रकाश जैन ने बीजेएस के अतिथियों का तिलक, माल्यार्पण एवं वस्त्र भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में कमलेश चौधरी, प्रसन्न जैन, जागृति, संध्या सिंघई, आत्मज्योति जैन, मीना खमकुआ, सीमा जैन, सुशील जैन आचार्य, निधि जैन, श्रीमती अर्चना जैन, सुदीप जैन, दीपराज, डॉ. स्मिता, शिवम, अंशुल, अनुराग, नितिन, मृगेंद्र जैन, ज्योति रौड़ा, रिया, सपना खमकुआ, मीना चौधरी, शोभा, प्रीति, अनीता, सरोज सहित बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिलाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अमरचंद जैन ने किया। अंत में सागर जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन मंगलम ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

भारत के करोड़ों युवा ईमानदारी, मेहनत, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी को चुन लें तो भारत को महान बनने से कोई नहीं रोक सकता : मिती जैन सोगानी

किशनगढ़. शाबाश इंडिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मदनगंज किशनगढ़ स्थित आर.के. मार्बल कम्युनिटी हॉल में आचार्य 108 श्री विहर्ष सागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में महज 13 वर्षीय मिती जैन सोगानी ने अपनी ओजस्वी वाणी से राष्ट्रप्रेम और युवा जिम्मेदारी पर विचार व्यक्त कर श्रद्धालुओं को सोचने पर मजबूर कर दिया। मिती जैन सोगानी ने कहा कि अंग्रेजों से आजादी पाना एक संघर्ष था, लेकिन अपने भीतर की कमियों से आजाद होना उससे भी बड़ा संघर्ष है। उन्होंने कहा कि आज युवाओं के हाथों में किताबें, मोबाइल और इंटरनेट हैं तथा उन्हें अभिव्यक्ति की आजादी मिली है, लेकिन हमें स्वयं से यह सवाल भी पूछना चाहिए कि क्या हम पूर्वाग्रहों, भेदभाव, भ्रष्टाचार और नफरत जैसी बुराइयों से वास्तव में आजाद हैं। उन्होंने कहा कि हम कहते हैं कि भारत एक है, फिर जाति के नाम पर दूरी क्यों? हम कहते हैं कि ईमानदारी हमारी ताकत है, फिर छोटी-सी सुविधा के लिए नियम तोड़ना गलत क्यों नहीं लगता? हम कहते हैं कि देश हमारा परिवार है, फिर सड़क पर कूड़ा देखकर हमारी जिम्मेदारी कहां चली जाती है? आजादी का अगला अध्याय हमें स्वयं लिखना है। मिती ने कहा कि आज हमारी लड़ाई किसी विदेशी शासक से नहीं, बल्कि अज्ञानता, असमानता, भ्रष्टाचार, नफरत और उस सोच से है, जो हमें एक-दूसरे से बांटती है। इस लड़ाई में हमारा सबसे बड़ा हथियार शिक्षा है। एक शिक्षित युवा केवल अपना भविष्य नहीं बदलता, बल्कि अपने परिवार का भविष्य, समाज की सोच और अंततः देश की दिशा बदल सकता है। उन्होंने युवाओं से आान करते हुए कहा कि अक्सर हम पूछते हैं कि देश हमारे लिए क्या कर रहा है, लेकिन अब सवाल बदलने का समय है—मैं अपने देश के लिए क्या कर रहा हूं? उन्होंने कहा कि मैं एक विद्यार्थी हूं। शायद मेरे पास सत्ता या बहुत पैसा नहीं है, लेकिन मेरे पास चरित्र बनाने की उम्र, सपने देखने की हिम्मत और सही चुनाव करने की आजादी है। यदि भारत के करोड़ों युवा अपने जीवन में ईमानदारी, मेहनत, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी को चुन लें तो भारत को महान बनने से कोई नहीं रोक सकता। मिती ने तिरंगे के समक्ष युवाओं को संकल्प दिलाते हुए कहा कि जहां गलत होगा, वहां सही का साथ देंगे; जहां भेदभाव होगा, वहां समानता की आवाज बनेंगे; जहां भ्रष्टाचार होगा, वहां ईमानदारी चुनेंगे और जहां देश को हमारी जरूरत होगी, वहां पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि आजादी हमें विरासत में मिली है, लेकिन उसकी इज्जत करना हमारी जिम्मेदारी है। अंत में उन्होंने अपनी कविता के माध्यम से कहा—

तिरंगा हाथ में लेना आसान है,
तिरंगे की आन निभाना मुश्किल है।
देश के लिए नारे लगाना आसान है,
देश के लिए अपने कर्म बदलना मुश्किल है।
तो आइए, इस मुश्किल को चुनते हैं
और एक बेहतर भारत बनाते हैं।

राष्ट्र गौरव पारस जैन पार्श्वमणि कोटा ने जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा 8 में अध्ययनरत मिती जैन सोगानी नियमित दिनचर्या और अनुशासन को विशेष महत्व देती हैं। वह रात्रि 9 बजे सोती हैं और सुबह 5 बजे उठकर अध्ययन करती हैं। मिती प्रशासनिक सेवा में जाना चाहती हैं और अपने जीवन के प्रत्येक मिनट को महत्वपूर्ण मानती हैं। वह मोबाइल का उपयोग भी मुख्य रूप से पढ़ाई के लिए ही करती हैं। मिती जैन सोगानी देव, शास्त्र और गुरु के परम भक्त महेंद्र कुमार जैन एवं मंजुला जैन (सेवानिवृत्त, बैंक ऑफ बड़ौदा) की पौत्री तथा उत्कर्ष जैन एवं अंजना जैन की पुत्री हैं। उनकी बड़ी बहन तिथि जैन हैं। इस अवसर पर मुनिसुव्रत दिगंबर जैन पंचायत किशनगढ़ के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश बैद, उपाध्यक्ष मांगीलाल झांझरी, मंत्री प्रदीप गंगवाल एवं पूर्व अध्यक्ष विनोद पाटनी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन बसंत बैद ने किया।

राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं राष्ट्र गौरव
पारस जैन पार्श्वमणि, पत्रकार, कोटा (राज.)

पुरस्नाराम पार्क में आजादी की 80वीं वर्षगांठ पर देशभक्ति का महासंगम

बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने मोहा मन, देशभक्ति के गीतों पर झूमा जवाहर नगर; सवाल-जवाब के रोचक दौर ने बटोरीं खूब तालियां

जयपुर. शाबाश इंडिया

आजादी की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर पुरस्नाराम पार्क परिवार एवं प्रेम मंदिर शिक्षण संस्थान, जवाहर नगर के संयुक्त तत्वावधान में पुरस्नाराम पार्क में भव्य स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में आयोजित किया गया। करीब सवा दो घंटे चले समारोह में बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों, देशभक्ति के गीतों और रोचक गतिविधियों ने ऐसा समां बांधा कि कार्यक्रम के अंत तक दर्शक उत्साह से जुड़े रहे। पुरस्नाराम पार्क के अध्यक्ष ऋषि जैन एवं प्रेम मंदिर शिक्षण संस्थान की प्राचार्या श्रीमती रंजू जैन ने बताया कि कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता बच्चों का उत्साह और उनकी प्रतिभा रही। विद्यार्थियों ने देशभक्ति के गीतों पर एक से बढ़कर एक रंगारंग प्रस्तुतियां देकर पूरे वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। बच्चों के जोश, आत्मविश्वास और शानदार प्रदर्शन ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा पार्क तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं समाजसेवी तथा जवाहरात व्यवसायी नरेंद्र लक्खी ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें अपने हाथों से आकर्षक उपहार एवं अल्पाहार के डिब्बे वितरित किए। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें देश के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने और जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

वयोवृद्ध गंगा स्वरूप शर्मा ने किया ध्वजारोहण

समारोह में समाज के वयोवृद्ध गंगा स्वरूप शर्मा ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रध्वज के सम्मान में उपस्थित जनसमूह ने एक स्वर में राष्ट्रगान गाया। इसके बाद भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। कार्यक्रम में बॉलीवुड कोरियोग्राफर एस.के. राव, मुकेश साध, रमेश होटला, सुंदर वाधवानी, राजू साध, अशोक चंदानी, अजय जैन, राजीव मेहता, राजीव अग्रवाल, आर.डी. अग्रवाल, गौरव कपूर, पंडित कन्हैया लाल एवं कमल झुरानी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए समारोह की गरिमा बढ़ाई। समारोह का सबसे रोचक और यादगार हिस्सा बच्चों और बड़ों के बीच हुआ देशभक्ति प्रश्नोत्तर कार्यक्रम रहा। बच्चों ने उपस्थित गणमान्य अतिथियों से देश, स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रभक्ति से जुड़े सवाल पूछे। सही उत्तर देने वालों को बच्चों ने अपने हाथों से चॉकलेट देकर सम्मानित किया। वहीं, जब कुछ गणमान्य अतिथि बच्चों के सवालों का जवाब नहीं दे पाए तो पूरा परिसर हंसी और तालियों से गूंज उठा। बच्चों की हाजिरजवाबी और आत्मविश्वास ने इस गतिविधि को समारोह का विशेष आकर्षण बना दिया।

देशभक्ति के गीतों पर झूमा पूरा जवाहर नगर

कार्यक्रम जैसे-जैसे आगे बढ़ा, देशभक्ति का उत्साह भी बढ़ता गया। बच्चों के साथ अतिथियों और स्थानीय नागरिकों ने देशभक्ति के गीतों पर झूमकर, नाचकर और गाकर स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाया। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से पुरस्नाराम पार्क सहित आसपास का जवाहर नगर क्षेत्र देशभक्ति के रंग में सराबोर हो गया। स्थानीय नागरिकों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इतने बड़े स्तर पर आत्मीयता और उत्साह के साथ आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह देखकर उन्हें आनंद और गर्व की अनुभूति हुई। करीब सवा दो घंटे तक चले कार्यक्रम में उत्साह ऐसा बना रहा कि समापन के समय भी लोगों का कार्यक्रम स्थल से जाने का मन नहीं हो रहा था। पुरस्नाराम पार्क के अध्यक्ष ऋषि जैन ने कार्यक्रम को सफल बनाने वाले प्रेम मंदिर शिक्षण संस्थान, पार्क परिवार, विद्यार्थियों, अतिथियों, स्थानीय निवासियों एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ''स्वतंत्रता दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों से जोड़ने का अवसर है। बच्चों के चेहरों पर देशभक्ति का यह उत्साह देखकर विश्वास और मजबूत होता है कि भारत का भविष्य सुरक्षित, सशक्त और उज्ज्वल है।''

आजादी का यह ताज बड़े तप से भारत ने पाया है, मत पूछो इसके लिए देश ने क्या कुछ नहीं गंवाया है: आचार्य सुनील सागर जी महाराज

इंदौर. शाबाश इंडिया

शनिवार, 15 अगस्त को आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ नेमिनगर, जैन कॉलोनी से विहार कर इंदौर की हृदयस्थली ऐतिहासिक राजबाड़ा पहुंचे। पूरे मार्ग में श्रावकों ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर आरती उतारी। इस दौरान देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का वातावरण देखने को मिला। जैन समाज के अध्यक्ष विनय बाकलीवाल एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि विहार के दौरान रत्नत्रय ग्रुप के सदस्य तिरंगा एवं पंचरंगा ध्वज लेकर साथ चले। यात्रा के आगे बैंड पर देशभक्ति के गीत गूंजते रहे। अभिषेक ग्रुप के सदस्यों ने तिरंगे झंडे लेकर वाहनों के साथ रैली निकाली। टोरी कॉर्नर पर निकाली गई विशाल तिरंगा यात्रा भी आचार्य संघ के विहार में शामिल हुई। तिरंगा यात्रा रामा शाहजी के मंदिर होते हुए राजबाड़ा पहुंची। राजबाड़ा पहुंचने पर आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन किया गया तथा शास्त्र भेंट किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। प्रवचन में आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ने कहा, आजादी का यह ताज बड़े तप से भारत ने पाया है, मत पूछो इसके लिए देश ने क्या कुछ नहीं गंवाया है। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। हमें उन सभी बलिदानियों को सदैव याद रखना चाहिए। आचार्य श्री ने कहा, फना होने की इजाजत ली नहीं जाती, ये वतन की मोहब्बत है जनाब, पूछकर की नहीं जाती। उन्होंने देश के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले वीरों को नमन करते हुए कहा कि हमें उन लोगों को याद करना चाहिए, जिनके बलिदान से देश को स्वतंत्रता मिली। उन्होंने कहा कि हमारे अचल एवं चल तीर्थ सुरक्षित रहें, इस दिशा में शासन को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने भाषा की गुलामी से बचने, सभी को जीने का अधिकार देने तथा मांस व्यापार एवं शराबबंदी जैसे विषयों पर भी विचार करने की बात कही।

पत्रकारिता के उत्कृष्ट कार्य के लिए उपखंड स्तर पर नरेश सिगची सम्मानित

स्वतंत्रता दिवस समारोह में मिला प्रशस्ति पत्र, सम्मान सहयोगियों और पाठकों को किया समर्पित

रावतसर. शाबाश इंडिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रावतसर में आयोजित उपखंड स्तरीय समारोह में पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य के लिए पत्रकार नरेश सिगची को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक धर्मेंद्र मोची, नगरपालिका अधिशासी अधिकारी शैलेन्द्र गोदारा, तहसीलदार अजय कुमार, पुलिस उप अधीक्षक विक्रम चौहान सहित प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने, आमजन की आवाज को प्रशासन तक पहुंचाने तथा क्षेत्र की सकारात्मक खबरों को सामने लाने के लिए नरेश सिगची के कार्यों की सराहना की। सम्मान प्राप्त करने पर नरेश सिगची ने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचार लिखने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की आवाज को जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ सामने रखने का दायित्व है। उन्होंने सम्मान को अपने सहयोगियों और पाठकों को समर्पित करते हुए कहा कि पाठकों का विश्वास उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सम्मान के लिए जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही भविष्य में भी निष्पक्ष, निर्भीक और जनहित को सर्वोपरि रखते हुए पत्रकारिता करने का संकल्प व्यक्त किया।

दर्शनपथ सेवासम्भाव धार्मिक यात्रा का भव्य समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के 50वें स्वर्ण जयंती वर्ष महोत्सव के अंतर्गत युवा परिषद परिवार, प्रतापनगर-सांगानेर संभाग, जयपुर द्वारा तीन दिवसीय धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। वर्ष 2025-26 में देश की 350 शाखाओं में उत्कृष्ट शाखा का पुरस्कार प्राप्त करने वाली शाखा ने 101 यात्रियों के दल के साथ इस यात्रा के माध्यम से श्रद्धालुओं को विभिन्न जैन तीर्थों के दर्शन कराए। परम पूज्य गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी के मंगल आशीर्वाद को हृदय में धारण कर आयोजित यह यात्रा 14 अगस्त की संध्या को प्रतापनगर से प्रारंभ हुई। यात्रा का पहला पड़ाव विश्वविख्यात सोनागिरजी अतिशय क्षेत्र रहा, जहां श्रद्धालुओं ने प्रातःकाल भगवान के दर्शन एवं वंदना का लाभ लिया। इसके बाद यात्रियों ने पावागिरि (पव्वाजी), ललितपुर स्थित अभिनंदनोदय तीर्थ, चंदेरी, थूबोनजी अतिशय क्षेत्र, गोलाकोट तीर्थ तथा खनियाधाना जैन मंदिर के दर्शन किए। ललितपुर मंदिर की गुफा के दर्शन भी यात्रा का विशेष आकर्षण रहे। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर जेएसजी ग्लोरी के अध्यक्ष पीयूष सोनी, युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान-अनिता बड़जात्या, प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री दिलीप जैन, प्रदेश महामंत्री विमल बज, राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष जैन, डॉ. राजीव जैन, विनोद जैन कोटखावदा, एडवोकेट महावीर सुरेंद्र जैन एवं मनीष जैन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जेएसजी नॉर्थ द्वारा आश्रय केयर होम में सेवा कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजी नॉर्थ द्वारा 17 अगस्त 2026 को आश्रय केयर होम में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत आश्रय केयर होम के लिए 6 बोरी अनाज का वितरण किया गया। ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी ने बताया कि इस अवसर पर आश्रय केयर होम की बालिकाओं ने देशभक्ति गीतों पर सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित सदस्यों ने खूब सराहा। मुख्य संयोजक पदम कुमार जैन ने बताया कि कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष अभय जैन, सुनील बड़जात्या, कार्यकारिणी सदस्य एवं कार्यक्रम संयोजक संजय लुहाड़िया, यशवंत जैन, मुनिया सोगानी, प्रीति सोगाणी, बबीता बड़जात्या, स्नेहलता जैन सहित ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दो स्पेनिश महिलाओं ने भी सहभागिता की। उन्होंने जेएसजी नॉर्थ द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए सेवा भावना को अनुकरणीय बताया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं सेवा-भाव से परिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सदस्यों ने जरूरतमंदों की सेवा और सामाजिक कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। **जेएसजी नॉर्थ – सेवा ही सर्वोपरि।**

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में उमड़ा जनसैलाब, विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी स्वास्थ्य सेवाएं

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्वास्थ्य सेवा एवं जनकल्याण के उद्देश्य से ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट (रजि.) द्वारा शाल्बी मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से श्री दिगंबर जैन धर्मशाला, दीवान अमरचंद जी, लालजी सांड का रास्ता, जयपुर में रविवार को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया और विभिन्न जांच सुविधाओं का लाभ उठाया। शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ईसीजी, टीएसएच, बीएमडी तथा बीएमआई जैसी महत्वपूर्ण जांचें निःशुल्क की गईं। बीएमआई जांच उमेश सिंघल द्वारा की गई। वरिष्ठ जोड़ एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक शर्मा, वरिष्ठ रीढ़ रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण गुप्ता एवं वरिष्ठ सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष चौधरी ने मरीजों की जांच कर आवश्यक उपचार एवं जीवनशैली संबंधी सुझाव दिए। मुख्य अतिथि पुखराज प्रजापति ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के ऐसे प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद जैन भंवर एवं मनीषा जैन ''कुसुम'' ने बताया कि संस्था स्वास्थ्य, जागरूकता और मानव सेवा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। शिविर की सफलता में शाल्बी हॉस्पिटल के मार्केटिंग विभाग से संजय मिश्रा तथा धर्मशाला कार्यकारिणी समिति का विशेष सहयोग रहा। समिति अध्यक्ष अनिल पाटनी, मंत्री राजेंद्र कुमार सेठी सहित यश जैन, राजीव भारती पाठक, एडवोकेट प्रेरणा जोशी, मंजू जैन, सुलोचना जैन एवं नितिन जैन उपस्थित रहे।